लखनऊ

शुक्रवार, 20 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 208

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"जब नीयत साफ होती है तो मुश्किलें भी छुपे हुए वरदान की तरह जिंदगी बदल देती हैं।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 21° Low

संक्षेप

सरके चुनर' गाने पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने लिया संज्ञान, नोरा फतेही और संजय दत्त समेत 5 लोगों को भेजा समन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, 1990 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'सरके चुनर तेरी सरके' गाने में अश्लीलता और अभद्रता के आरोपों से संबंधित मीडिया रिपोर्टों पर स्वत: संज्ञान लिया है। आयोग ने इस मामले में अभिनेत्री नोरा फतेही, रकीब आलम, अभिनेता संजय दत्त, वेंकट के. नारायण (निर्माता, केवीएन समूह) और किरण कुमार (निर्देशक) को आयोग के समक्ष उपस्थित होने के लिए समन जारी किया है। राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से इस मामले में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए जानकारी साझा की। आयोग का कहना है कि पहली बार देखने पर ये गाना यौन उत्तेजक, आपत्तिजनक और भारतीय न्याय संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और पीओसीएसओ अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन प्रतीत होता है, इसलिए आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। आयोग ने नोरा फतेही, संजय दत्त, रकीब आलम, वेंकट के. नारायण और किरण कुमार को मंगलवार, 24 मार्च को दोपहर 12:30 बजे संबंधित दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने के लिए कहा है। आयोग का कहना है कि उपस्थित न होने पर कानून के मुताबिक उचित कार्रवाई की जा सकती है।

बंगाल में 'अघोषित इमरजेंसी', ममता बनर्जी का आरोप- भाजपा के इशारे पर काम कर रहा EC

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनावों से पहले बंगाल को अनुचित रूप से निशाना बनाए जाने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव अधिसूचना जारी होने से पहले ही शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों सहित 50 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को मनमाने ढंग से हटा दिया गया है। बनर्जी ने इस कदम को 'राजनीतिक हस्तक्षेप' करार दिया और चेतावनी दी कि इस तरह की कार्रवाइयां संस्थागत निष्पक्षता को कमजोर करती हैं और राज्य में चुनावों के संचालन को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं। अपने हमले को जारी रखते हुए, पॉल ने टीएमसी और वामपंथियों दोनों की आलोचना करते हुए उन पर तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन प्रयासों के बावजूद, अल्पसंख्यक समुदायों को कोई वास्तविक विकास नहीं मिला, बल्कि उन्हें वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया गया। ये टिप्पणियां चुनावों से पहले पार्टियों के बीच बढ़ते जुबानी जंग को और हवा देती हैं। भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने आरोप लगाया है कि चुनाव आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया के लिए डेटा प्रबंधन अधिकारियों की मांग की थी, लेकिन ममता बनर्जी सरकार ने सहयोग करने से इनकार कर दिया। उन्होंने दावा किया कि इस कदम से राज्य में चुनावी तैयारियों में बाधा उत्पन्न हुई। पॉल की ये टिप्पणियां पश्चिम बंगाल में चुनाव संचालन और प्रशासनिक निर्णयों को लेकर चल रही राजनीतिक खींचतान के बीच आई हैं।

जिसे अंधविश्वास कहा, वो अब राष्ट्र का गौरव: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि राम जन्मभूमि मंदिर के पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राम यंत्र की स्थापना से सनातन धर्म के प्रत्येक अनुयायी और प्रत्येक सच्चे भारतीय को आनंद की अनुभूति होती है। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत की आस्था को अंधविश्वास के नाम पर अपमानित किया जाता था, लेकिन वर्षों के कष्टों के बावजूद, लोगों की भक्ति कभी नहीं डगमगाई और न ही झुकी। आज, मंदिर में श्री राम यंत्र की स्थापना पूर्ण होने के अवसर पर की गई है, जिससे सनातन धर्म के प्रत्येक अनुयायी और प्रत्येक सच्चे भारतीय को आनंद की अनुभूति हो रही है। यही भारत की सच्ची आस्था है।

योगी ने कहा कि वह आस्था जिसे पहले अंधविश्वास कहकर अपमानित किया गया था। इसका अपमान करने वाले वही लोग थे जो उत्तर प्रदेश या देश में सत्ता में थे। अब हम सभी गर्व महसूस कर सकते हैं। इस भक्ति ने वर्षों-वर्ष कष्ट सहे हैं, लेकिन कभी नहीं डगमगाई और न ही झुकी। उन्होंने आगे कहा कि राम जन्मभूमि मंदिर केवल एक मंदिर नहीं है, बल्कि यह भारत के राष्ट्रीय मंदिर का प्रतीक बन गया है। योगी आदित्यनाथ ने नई पीढ़ी की देवी-देवताओं के प्रति श्रद्धा की सराहना करते हुए कहा कि यह नया भारत है और बदलता हुआ भारत है। नई पीढ़ी सही राह पर है। वे नव वर्ष मनाने के लिए मंदिरों में जाते हैं, न कि किसी पर्यटन स्थल पर। अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राम यंत्र स्थापित किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। यंत्र को मंदिर के दूसरे तल पर स्थापित किया गया है, जो इसका अंतिम तल भी है और पूर्णता का प्रतीक है। इस अवसर के उपलक्ष्य में, अयोध्या शहर को मुख्य सड़कों, चौराहों और मंदिर की ओर जाने वाले मार्गों पर बड़े-बड़े बैनरों और पोस्टरों से सजाया गया था, जिन पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की तस्वीरें प्रमुखता से प्रदर्शित थीं। सड़कों को भगवा झंडों और सजावटी पताकाओं से सजाया गया था, जिससे पूरे शहर में धार्मिक और उत्सवपूर्ण माहौल बन गया था। प्रशासन ने इस कार्यक्रम के लिए सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात प्रबंधन को और भी बेहतर बनाया था।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में पत्नी की अर्जी खारिज, उच्च न्यायालय बोला- आरोपी के खिलाफ ठोस सबूत कहां हैं?

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के आरोपी आकाशदीप करज सिंह को दी गई जमानत में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि बॉम्बे हाई कोर्ट का आदेश 'तर्कसंगत' था और उसे पलटने की कोई आवश्यकता नहीं थी। कोर्ट ने दिवंगत नेता की विधवा शहजीन जियाउद्दीन सिद्दीकी द्वारा सिंह को दी गई राहत को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि उच्च न्यायालय ने 9 फरवरी को जमानत देते समय गहन विचार-विमर्श किया था और आपराधिक मामलों में एकतरफा दृष्टिकोण अपनाने के खिलाफ चेतावनी दी। पीठ ने शहजीन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता नित्या रामकृष्णन से कहा, न्यायाधीश (न्यायमूर्ति नीला गोखले) का फैसला सुविचारित है... आप सभी को एक ही तराजू पर नहीं तौल सकते। इस व्यक्ति को विचाराधीन अपराध से जोड़ने वाला कोई सबूत नहीं है। रामकृष्णन ने सिंह को बिश्नोई गिरोह से जोड़ने का प्रयास किया, जिस पर अभियोजन पक्ष का आरोप है कि वह हत्या के पीछे था, लेकिन पीठ इससे संतुष्ट नहीं हुई और बताया कि उच्च न्यायालय ने पहले ही रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री का मूल्यांकन कर लिया है और प्रथम दृष्टया संलिप्तता साबित करने के लिए इसे अपर्याप्त पाया है। सर्वोच्च न्यायालय ने टिप्पणी की कि उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए विस्तृत निष्कर्षों के आलोक में अपील मजबूत आधार पर नहीं दिखती है।

राहुल गांधी का आरोप : भाजपा फैला रही नफरत, दिल्ली में बनाये जा रहे दंगे जैसे हालात

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी पर नफरत फैलाकर दिल्ली में फिर से दंगे जैसे हालात बनाने का आरोप लगाया है और लोगों से अपील की है कि वे किसी बहकावे में न आयें। राहुल गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा चाहती है कि देश हिन्दू-मुसलमान में उलझा रहे ताकि लोग विभिन्न मुद्दों पर सवाल न पूछ सकें।

उन्होंने होली के मौके पर राजधानी के उत्तम नगर की घटना का उल्लेख करते हुए कहा, "उत्तम नगर के लोगों ने हिंसा की भारी कीमत चुकाई है। एक तरफ एक जवान लड़के, तरुण, की जान चली गई, दूसरी तरफ एक पूरा परिवार उत्पीड़न का सामना कर रहा है। उन्हें और खून-खराबा नहीं चाहिए।" राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसका इकोसिस्टम नफरत के माहौल को बढ़ावा देकर हिंसा से राजनीतिक फायदा उठाना चाहता है। उन्होंने आरोप लगाया, "वे चाहते हैं कि देश हिंदू-मुसलमान में उलझा रहे, ताकि लोग ये न पूछ सकें कि आखिर प्रधानमंत्री देश की रक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और सामरिक संप्रभुता को अमेरिका के हवाले करने पर क्यों मजबूर है। इसीलिए दिनदहाड़े देश की राजधानी में फिर से दंगों जैसे हालात खड़े किये जा रहे हैं।" उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील की है कि वे किसी भी बहकावे में न आएं और एकता, भाईचारे व मोहब्बत बनाए रखें।

स्वदेशी ड्रोन निर्माण के मामले में आत्मनिर्भर बनना होगा, बढ़ती चुनौतियों के बीच बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक स्तर चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही है। पहले रूस और यूक्रेन के बीच जंग, अब ईरान तथा इजराइल के बीच जारी युद्ध को देखते हुए ड्रोन की अहमियत काफी बढ़ गई है। अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी दोनों जगहों पर जारी संघर्ष के दौरान ड्रोन की जरूरत को लेकर कहा कि भारत को ड्रोन निर्माण के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना चाहिए। अगले कुछ सालों में हमें ड्रोन निर्माण के मामले में वैश्विक केंद्र बनना होगा।

दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ ने आज गुरुवार को कहा कि इन दोनों क्षेत्रों जारी संघर्षों ने ड्रोन और काउंटर-ड्रोन तकनीकों के महत्व को साबित कर दिया है। उन्होंने कहा, "जैसे-जैसे पूरी दुनिया रूस और यूक्रेन के साथ-साथ ईरान तथा इजरायल के बीच चल रहे भीषण संघर्ष को देख रही है, हम भविष्य के युद्धों में ड्रोन और काउंटर-ड्रोन तकनीकों की बेहद अहम भूमिका को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं।" ड्रोन निर्माण की अहमियत को लेकर रक्षा मंत्री ने कहा, "रणनीतिक स्वायत्तता, रक्षा तत्परता और आत्मनिर्भरता के लिए स्वदेशी ड्रोन के उत्पादन के लिए एक इकोसिस्टम जरूरी है। आज भारत में एक ऐसा ड्रोन निर्माण इकोसिस्टम बनाने की जरूरत है जिसमें हम पूरी तरह से आत्मनिर्भर हों।" रक्षा से जुड़े इस सम्मेलन में देश की प्रमुख रक्षा निर्माण कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ-साथ रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSUs) के अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

राजनाथ सिंह ने कहा, "आज के दौर में भारत की रक्षा तैयारियों और रणनीतिक स्वायत्तता के लिए यह जरूरी है कि भारत ड्रोन निर्माण के मामले में पूरी तरह से आत्मनिर्भर बने।" उन्होंने ड्रोन निर्माण के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), रोबोटिक्स और अन्य नई तथा अहम तकनीकों के तेजी से बढ़ते महत्व पर भी बात की। उन्होंने कहा, "आज के दौर में ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसे इनोवेशन पूरी दुनिया में विनिर्माण क्षेत्र को ही बदल रहे हैं। इनके साथ-साथ सिमुलेशन तकनीक भी नए अवसर खोल रही है।"

एनसीआर में बारिश और तेज हवाओं से प्रदूषण में बड़ी गिरावट, एक्यूआई येलो जोन में पहुंचा

आर्यावर्त क्रांति

नोएडा। अचानक बदले मौसम ने पूरे एनसीआर को राहत दी। तेज हवाओं, धूल भरी आंधी और हल्की से मध्यम बारिश के चलते वायु प्रदूषण में गिरावट दर्ज की गई। कई दिनों से खराब श्रेणी में चल रहा एयर क्वालिटी इंडेक्स अब घटकर येलो जोन यानी 'मध्यम' श्रेणी में पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार, 19 मार्च और 20 मार्च को भी मौसम का मिजाज ऐसा ही रहने की संभावना है। विभाग ने दोनों दिनों के लिए गरज-चमक के साथ बारिश, 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं और आंधी की चेतावनी जारी की है। आईएमडी के लोकल फोरकास्ट के मुताबिक, 19 मार्च को अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम 19 डिग्री रहने का अनुमान है, जबकि 20 मार्च को अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम 17 डिग्री तक जा सकता है। दोनों ही दिनों में सुबह, दोपहर, शाम और रात- हर समय हल्की बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवाओं का दौर जारी रहने की संभावना जताई गई है।

वहीं 7 दिनों के पूर्वानुमान के अनुसार, 19 और 20 मार्च को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और एक-दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। 21 और 22 मार्च को मौसम आंशिक रूप से साफ रहने की संभावना है, जबकि 23 और 24 मार्च को आसमान मुख्यतः साफ रहने का अनुमान है। बारिश के बाद प्रदूषण स्तर में भी सुधार देखने को मिला है।

दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया। आनंद विहार में एक्यूआई 140, अशोक विहार में 148, चांदनी चौक में 171 और बवाना में 162 रिकॉर्ड किया गया। इसी तरह नोएडा में सेक्टर-1 में एक्यूआई 196, सेक्टर-125 में 181, सेक्टर-116 में 172 और सेक्टर-62 में 150 दर्ज हुआ। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक्यूआई 169, लोनी में 191, वसुंधरा में 168 और संजय नगर में 143 रिकॉर्ड किया गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि तेज हवाओं और बारिश के कारण वातावरण में मौजूद धूल और प्रदूषक कण जमीन पर बैठ गए, जिससे हवा साफ हुई है। हालांकि, यह राहत अस्थायी हो सकती है। यदि मौसम फिर से शुष्क हुआ तो प्रदूषण स्तर दोबारा बढ़ सकता है।

मनीष तिवारी का मोदी सरकार को समर्थन, वेस्ट एशिया संघर्ष पर बोले- यह हमारा युद्ध नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने गुरुवार को पश्चिम एशिया संघर्ष पर केंद्र सरकार के संतुलित रुख का समर्थन करते हुए कहा कि भारत ने ऐतिहासिक रूप से इस क्षेत्र में सीमित भूमिका निभाई है और उसे रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता देनी चाहिए। ईरान, इज़राइल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि संकट की व्यापकता और जटिलता को देखते हुए नई दिल्ली का सतर्क कूटनीतिक दृष्टिकोण उचित है।

तिवारी ने इस बात पर जोर दिया कि यह क्षेत्र एक ही युद्ध नहीं बल्कि कई परस्पर विरोधी संघर्षों का गवाह है। उन्होंने कहा कि इज़राइल और ईरान के बीच जो कुछ हो रहा है और अमेरिका का किसी एक पक्ष का साथ देना, केवल मध्य पूर्व की स्थिति का मामला नहीं है... यह हमारा युद्ध नहीं है। हम हमेशा से ही वृहत्तर मध्य पूर्व में हाशिए पर रहे हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत को उन भू-राजनीतिक लड़ाइयों में उलझने से बचना चाहिए जिनका उससे सीधा संबंध नहीं है।

संयमित रहने के महत्व पर जोर देते हुए तिवारी ने कहा कि भारत सतर्क रहकर सही कदम उठा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि अगर हम सतर्क हैं, तो शायद हम सही ही कर रहे हैं, क्योंकि रणनीतिक स्वायत्तता का यही अर्थ है - अपने हितों की रक्षा करने और सही दिशा में आगे बढ़ने की क्षमता। संकट की शुरुआत से ही भारत ने पूरे क्षेत्र में अपने हितों को संतुलित करते हुए लगातार संवाद और कूटनीति का आह्वान किया है। हालांकि नई दिल्ली ने खाड़ी में ईरानी हमलों की निंदा की, लेकिन उसने होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल और गैस के प्रवाह को सुरक्षित करने के लिए तेहरान के साथ संपर्क भी बढ़ाया - यह एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है जो वैश्विक ऊर्जा शिपमेंट के लगभग पांचवें हिस्से को संभालता है।

संघर्ष की शुरुआत 28 फरवरी को हुई जब अमेरिका और इज़राइल ने ईरान के अंदर समन्वित हमले किए, जिसमें कई स्थानों पर लक्ष्यों को निशाना बनाया गया। तेहरान ने खाड़ी क्षेत्र में वाशिंगटन और यरुशलम से जुड़े सैन्य ठिकानों पर हमले करके जवाबी कार्रवाई की, जिससे एक बड़े क्षेत्रीय संघर्ष की आशंका बढ़ गई।

एआई से लैस 'सुपर ठग' सक्रिय: भारत बना अंतरराष्ट्रीय स्कैम गिरोहों का दूसरा सबसे बड़ा निशाना, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। मेटा (फेसबुक-इंस्टाग्राम की मालिक कंपनी) की नई रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। भारत अब दुनिया के अंतरराष्ट्रीय स्कैम गिरोहों का दूसरा सबसे बड़ा शिकार बन चुका है। पहले स्थान पर अमेरिका के अंग्रेजी बोलने वाले यूजर्स हैं। मेटा की सेमीएनुअल एडवरसैरियल थ्रेट रिपोर्ट के अनुसार, अब ठग पहले जैसे नहीं रहे। वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर बेहद प्रोफेशनल तरीके से फर्जी अकाउंट तैयार कर रहे हैं। इन अकाउंट्स में नकली लेकिन असली जैसे दिखने वाले फोटो, वीडियो, और पूरी बैकस्टोरी शामिल होती है। इतना ही नहीं, स्कैमर्स यूजर्स के हिसाब से पर्सनलाइज्ड मैसेज भेजते हैं, जिससे लोगों को लगता है कि संदेश खासतौर पर उनके लिए ही लिखा गया है।

किन देशों के लोग बन रहे सबसे ज्यादा शिकार

रिपोर्ट के मुताबिक, स्कैम सिंडिकेट सबसे पहले अमेरिका के अंग्रेजी भाषी यूजर्स को निशाना बनाते हैं, इसके बाद भारत दूसरे नंबर पर है। इसके बाद मंदारिन भाषी क्षेत्र—जैसे चीन, ताइवान, हांगकांग, सिंगापुर—और फिर जापान व दक्षिण कोरिया आते हैं।

सेलिब्रिटी और सरकारी अधिकारी बनकर ठगी

दक्षिण-पूर्व एशिया में खासतौर पर रोमांस और इन्वेस्टमेंट स्कैम ज्यादा देखने को मिल रहे हैं। इसमें ठग पहले लग्जरी लाइफस्टाइल दिखाकर भरोसा जीतते हैं, फिर बातचीत को व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म पर ले जाकर ठगी करते हैं।

ये हैं सबसे आम स्कैम के तरीके

रिपोर्ट में कई तरह के स्कैम्स का जिक्र किया गया है, जैसे:
एडवांस पेमेंट स्कैम
इन्वेस्टमेंट स्कैम
गैंबलिंग स्कैम
रोमांस स्कैम
कस्टमर सपोर्ट स्कैम

कैसे रहें सुरक्षित?

रिपोर्ट का सबसे बड़ा संदेश साफ है—अब स्कैमर्स सिर्फ पैसे नहीं, आपका भरोसा भी चुरा रहे हैं। अनजान लिंक पर क्लिक न करें किसी अनजान व्यक्ति को पैसे न भेजें

पाकिस्तान से चल रहा था गिरोह

मेटा ने हाल ही में पाकिस्तान आधारित एक बड़े स्कैम नेटवर्क का भंडाफोड़ किया, जो भारत के लोगों को ही निशाना बना रहा था। यह गिरोह एआई के जरिए अलग-अलग भाषाओं में कंटेंट बनाता था और चोरी की तस्वीरों का इस्तेमाल कर खुद को स्थानीय व्यक्ति के रूप में पेश करता था।

करोड़ों अकाउंट्स पर कार्रवाई

कंपनी के अनुसार, इस साल उसने फ्रॉड और स्कैम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए:
1.09 करोड़ फेसबुक-इंस्टाग्राम अकाउंट्स
6 लाख पेज
1.12 लाख विज्ञापन अकाउंट्स हटाए
रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि ड्रग तस्करी और संगठित अपराध से जुड़े गिरोह भी इन प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल भर्ती, ब्लैकमेल और प्रचार के लिए कर रहे हैं।

एनसीआर में बारिश और तेज हवाओं से प्रदूषण में बड़ी गिरावट, एक्यूआई येलो जोन में पहुंचा

आर्यावर्त क्रांति

नोएडा। अचानक बदले मौसम ने पूरे एनसीआर को राहत दी। तेज हवाओं, धूल भरी आंधी और हल्की से मध्यम बारिश के चलते वायु प्रदूषण में गिरावट दर्ज की गई। कई दिनों से खराब श्रेणी में चल रहा एयर क्वालिटी इंडेक्स अब घटकर येलो जोन यानी 'मध्यम' श्रेणी में पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार, 19 मार्च और 20 मार्च को भी मौसम का मिजाज ऐसा ही रहने की संभावना है। विभाग ने दोनों दिनों के लिए गरज-चमक के साथ बारिश, 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं और आंधी की चेतावनी जारी की है। आईएमडी के लोकल फोरकास्ट के मुताबिक, 19 मार्च को अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम 19 डिग्री रहने का अनुमान है, जबकि 20 मार्च को अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम 17 डिग्री तक जा सकता है। दोनों ही दिनों में सुबह, दोपहर, शाम और रात- हर समय हल्की बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवाओं का दौर जारी रहने की संभावना जताई गई है।

वहीं 7 दिनों के पूर्वानुमान के अनुसार, 19 और 20 मार्च को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और एक-दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। 21 और 22 मार्च को मौसम आंशिक रूप से साफ रहने की संभावना है, जबकि 23 और 24 मार्च को आसमान मुख्यतः साफ रहने का अनुमान है। बारिश के बाद प्रदूषण स्तर में भी सुधार देखने को मिला है।

हिन्दू नववर्ष प्राकृतिक और सांस्कृतिक नवचेतना का प्रतीक-जितेंद्रानंद सरस्वती

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर।हिन्दू नववर्ष की पूर्व संध्या पर पंडित रामनरेश त्रिपाठी सभागार में भारतीय नववर्ष आयोजन समिति द्वारा आयोजित 14 वें भव्य कवि सम्मेलन में गीत और गजलों की मधुर प्रस्तुति ने श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से आए कवियों और शायरों ने अपनी रचनाओं से ऐसा समां बांधा कि तालियों की गूंज लगातार सुनाई देती रही। अयोध्या से आए कवि जमुना पाण्डेय की अध्यक्षता व बाराबंकी से पधारे राम किशोर त्रिपाठी के संचालन में कार्यक्रम की शुरुआत जबलपुर से आई कवियत्री मणिका दूबे ने सरस्वती वंदना से की। जिसके बाद कवियों ने एक के बाद एक गीत,

गजल, हास्य और वीर रस की रचनाएं प्रस्तुत कीं। बाराबंकी से आए हास्य कवि विकास बौखल ने किसी खंजर से ना तलवार से जोड़ा जाए,

सारी दुनिया को चलो प्यार से जोड़ा जाए। ये किसी शख्स को दोबारा ना मिलने पाए, प्यार के रोग को आधार से जोड़ा जाए व लखनऊ से आए ओज कवि अभय निर्भीक ने इसका वैभव सदियों से है बिखराता नित नई छटा, इसे मिटाने वाले मिट गए किन्तु सनातन नही मिटा सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। बिहार से आए हास्य व्यंग के कवि शंभू शिखर ने मनहूस से चेहरों को सदा डांटता हूं मैं। गम के बदलियों में भी खुशी छांटता हूं मैं व जबलपुर से आई गीतकार मणिका दूबे ने वजूद धागे सा टूट जाना सही नहीं है। अनापरस्तों से दिल लगाना ठीक नहीं है सुनाकर श्रोताओं की खूब तालियां बटोरी।। कोटा से आए गीत व गजलकार कुंवर जावेद ने 'हर एक तख्त से हर ताज से लड़ जाती है' कोई भी राज हो हर राज से लड़ जाती है'।हमारे देश की बेटी को कितना जानते हो। सुहाग के लिए यमराज से लड़ जाती है' सुनाकर श्रोताओं को भावुक कर दिया।रायपुर छत्तीसगढ़ से पधारे गीतकार रमेश बिस्वहार ,अयोध्या से आए ध्रुव उपाध्याय ने कवि सम्मेलन में गीत-गजलों से समां बांधा। इसके पहले कार्यक्रम के पहले सत्र का शुभारंभ मुख्य वक्ता महासचिव, अखिल भारतीय संघ समिति स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती व कार्यक्रम संयोजक प्रवीन कुमार अग्रवाल ने मंचासीन अतिथियों के साथ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया।कवि सम्मेलन के पहले सत्र को संबोधित करते हुए स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने भारतीय काल गणना, भारतीय नववर्ष की महत्ता और प्रकृति में होने वाले परिवर्तन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा हिन्दू नववर्ष केवल एक तिथि परिवर्तन नहीं, बल्कि प्राकृतिक और सांस्कृतिक नवचेतना का प्रतीक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग संघचालक डॉ एके सिंह व संचालन डॉ प्रीति प्रकाश ने किया। नगर पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल ने जनपद वासियों से भारतीय नववर्ष को धूमधाम व उत्साह के साथ मनाने का आह्वान किया। उन्होंने आएं हुए सभी अतिथियों,कवियों व श्रोताओं का धन्यवाद व आभार प्रकट किया।

गोरखपुर में गीडा की प्लाई फैक्ट्री में आग, मची अफरा-तफरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। गीडा सेक्टर-13 स्थित वुड प्लाई फैक्ट्री में गुरुवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगने के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काफी हद तक काबू पा लिया है, हालांकि फैक्ट्री में रखी लकड़ी अब भी सुलग रही है और धुआं निकल रहा है।

सुबह करीब साढ़े आठ बजे फैक्ट्री से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। इसे देखकर वहां मौजूद कर्मियों ने शोर मचाया और आसपास के लोगों को सूचना दी। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया गया। सूचना मिलते ही गीडा पुलिस और फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए घंटों तक लगातार पानी की बौछार की।

दावा है कि आग पर काफी हद तक नियंत्रण पा लिया गया है, लेकिन फैक्ट्री में रखी लकड़ी सुलगने के कारण धुआं निकलना जारी है। दमकल की टीम एहतियात के तौर पर मौके पर मौजूद है। आग किन कारणों से लगी, इसका अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। एसपी उत्तरी ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि आग लगने के कारण की जांच चल रही है। अनुमान लगाया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट या अन्य तकनीकी कारणों से लगी है।

26 मुकदमों का आरोपी शातिर चोर गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। कोतवाली नगर क्षेत्र में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने शातिर आरोपी अजीम कुरैशी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर पहले से ही 26 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। यह गिरफ्तारी 16/17 फरवरी 2026 की रात सिरवारा रोड स्थित कैलाश आयुर्वेदिक औषधालय (वैद्यनाथ एजेंसी) में हुई चोरी के मामले में की गई। चोर ने दुकान का शटर तोड़कर अंदर प्रवेश किया था और गल्ले से करीब ₹1,20,000 नकद के साथ दुकान मालिक दिनेश कुमार मिश्रा का आधार कार्ड चोरी कर लिया था। इस संबंध में 17 फरवरी को मुकदमा दर्ज कराया गया था।पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली नगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को सौरमऊ के पास से दबोच लिया। गिरफ्तारी के समय पुलिस ने आरोपी के पास से ₹36,160 नकद, एक आधार कार्ड और चोरी में इस्तेमाल किए गए औजार, हथौड़ी, सब्बल, कटर और पेचकस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, अजीम कुरैशी लाला का पुरवा (नार्मल चौराहा) का रहने वाला है और फिलहाल कांशीराम कॉलोनी, अमहट में रह रहा था। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

कानपुर में बुजुर्ग महिला को छह दिन रखा डिजिटल अरेस्ट, ठगे 21 लाख

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। किदवई नगर में एक वृद्धा साइबर ठगी की शिकार हो गई। ठग ने खुद को मुंबई का पुलिस आयुक्त बताकर छह दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। आतंकी घटनाओं में शामिल होने की बात कह डराया और जेल भेजने के साथ घर को सील करने की धमकी देकर 21 लाख रुपये खाते में ट्रांसफर करवा लिए।

किसी तरह से हिम्मत जुटाकर वृद्धा ने एक परिचित को आपबीती बताई तो उन्हें ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद पुलिस से शिकायत की। किदवईनगर एच ब्लाक में रहने वाली स्नेहलता ने बताया कि वह किराए के मकान में अकेले रहती हैं। बताया कि कुछ समय पहले उन्होंने कृष्णा नगर और दिल्ली के विकास सदन स्थित मकान बेचा है, जिसकी रकम उनके खाते में जमा है।

दस मार्च की सुबह एक काल आई। कालर ने उन्हें आतंकी घटनाओं में उनका नाम आने की बात कहकर धमकाया। कुछ देर में पुलिस घर भेजने की बात कहकर वीडियो काल उठाने का दबाव बनाया। वीडियो काल उठाते ही सामने एक पुलिस अधिकारी अपने कार्यालय में बैठा दिखा।

उसने खुद को मुंबई पुलिस आयुक्त बताया। इसके बाद अभद्रता करना शुरू कर दिया तो वह डर गईं। इसके बाद जेल भेजने की धमकी दी। कहा कि अगर खुद को बचाव करना है तो रुपये देने होंगे। दहशत में वह उनके झांसे में आ गई। इसके बाद 13 मार्च को स्टेट बैंक आफ इंडिया खाते से 20 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।

16 मार्च को भी आरटीजीएस व अन्य माध्यमों से 50 हजार, 49 हजार और 1 हजार रुपये और ट्रांसफर करवाए। रुपये ट्रांसफर करवाने के बाद आरोपितों ने उन्हें काल नहीं की।

स्नेहलता ने बताया कि उनका एक मकान शहर में और है, जिसको बेचने की बात चल रही है। इसी सिलसिले में उन्हें बाहर जाना था। आरोपित ने उन्हें घर के बाहर जाने या किसी के घर आने से रोक दिया था, लेकिन जब उन्हें 80 लाख रुपये में मकान का सौदा होने की जानकारी हुई तो उन्हें घर से जाने दिया।

ठगों ने 80 लाख रुपये खाते में ट्रांसफर होने की जानकारी मांगी, लेकिन वह टाल गईं। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। साइबर सेल की मदद से रुपये वापस कराने का प्रयास किया जाएगा।

जुमा अलविदा की तारीख में बदलाव की मांग, शिक्षक संघ ने बीएसए को लिखा पत्र

» निजाम खान ने यह भी उल्लेख किया कि इस समय सरकारी विद्यालयों में परीक्षाएं चल रही हैं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, सुल्तानपुर ने वर्ष 2026 के अवकाश कैलेंडर में जुमा अलविदा की तिथि को लेकर आपत्ति जताई है। संघ ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) को पत्र भेजकर इसमें संशोधन की मांग की है।संघ के ब्लॉक अध्यक्ष निजाम खान ने अपने पत्र में बताया कि वर्ष 2026 की अवकाश तालिका में जुमा अलविदा का अवकाश 13 मार्च को दर्शाया गया है, जबकि इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार रमजान माह का अंतिम जुमा 20 मार्च 2026 को पड़ रहा है। ऐसे में वर्तमान कैलेंडर में अंकित तिथि वास्तविक पर्व से मेल नहीं खाती। उन्होंने कहा कि गलत तिथि के कारण शिक्षकों और कर्मचारियों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए 13 मार्च के स्थान पर 20 मार्च 2026 को जमातुल विदा (जुमा अलविदा) का अवकाश घोषित किया जाना चाहिए, ताकि सभी संबंधित लोग वास्तविक पर्व पर अवकाश का लाभ उठा सकें। निजाम खान ने यह भी उल्लेख किया कि इस समय सरकारी विद्यालयों में परीक्षाएं चल रही हैं, ऐसे में अवकाश की सही तिथि का निर्धारण और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। गौरतलब है कि निजाम खान कुड़वार ब्लॉक के ब्लॉक अध्यक्ष होने के साथ-साथ उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, सुल्तानपुर के जिला प्रवक्ता भी हैं।

स्मार्ट मीटर ले रहा जान... 6 माह में 1.25 लाख आया बिजली बिल, सदमे में शख्स की हार्ट अटैक से मौत

आर्यावर्त संवाददाता

इटावा। उत्तर प्रदेश इटावा के भरथना क्षेत्र में एक अधेड़ की मौत के बाद बिजली बिल को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। महावीर नगर निवासी 50 वर्षीय शिवपाल की हृदयगति रुकने से मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों ने बिजली विभाग पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि स्मार्ट मीटर में आए भारी बिल और लगातार अनसुनी के कारण शिवपाल गहरे मानसिक तनाव में थे। गुस्साए परिजन शव को विद्युत विभाग कार्यालय ले गए, जिससे मौके पर हंगामा और तनाव का माहौल बन गया।

मौत की खबर फैलते ही परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने शिवपाल का शव भरथना स्थित बिजली विभाग कार्यालय में रख दिया। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुट

गए। लोग विभाग के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। हालात बिगड़ते देख विभाग के कर्मचारी दफ्तर में ताला डालकर वहां से निकल गए। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ पहुंचे और स्थिति को किसी तरह संभाला।

स्मार्ट मीटर में 6 महीने का 1.25 लाख का बिल बना वजह

मृतक की बेटी के अनुसार, शिवपाल चाय की दुकान चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। पहले उनके यहां पोस्टपेड मीटर था, जिसमें हर महीने घर का 1200 से 1500 रुपए का बिल आता था, लेकिन स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद हालात बदल गए और छह महीने में करीब एक लाख 25 हजार रुपए का बिल आ गया। इस अचानक बढ़े बिल ने परिवार को गहरी चिंता में डाल दिया और शिवपाल लगातार परेशान रहने लगे।

बार-बार विभाग के चक्कर लगाए, नहीं मिला जवाब

परिजनों का कहना है कि इस भारी बिल को सही कराने के लिए शिवपाल कई बार बिजली विभाग के दफ्तर गए, लेकिन हर बार उन्हें टाल दिया गया और कोई ठोस समाधान नहीं मिला। इस वजह से उनका मानसिक तनाव लगातार बढ़ता गया। परिवार का आरोप है कि इसी दबाव के चलते मंगलवार रात उन्हें हार्ट अटैक आया और उनकी जान चली गई।

विभाग ने मानी तकनीकी गड़बड़ी

मामले में विद्युत विभाग के एसडीओ दिलीप साहू का कहना है कि स्मार्ट मीटर में करीब 1 लाख 25 हजार रुपए का बिल दिख रहा है। उन्होंने माना कि मीटर में किसी तकनीकी खराबी के कारण यह गड़बड़ी हो सकती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप से शांत हुआ मामला

घटना के बाद बढ़ते तनाव को देखते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों के बीच बातचीत कराई। काफी देर तक समझाइश के बाद मामला शांत हुआ। इसके बाद परिजनों ने शव का बिना पोस्टमार्टम अंतिम संस्कार कर दिया। फिलहाल पुलिस और प्रशासन पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं और जांच की प्रक्रिया जारी है।

नवरात्रि के पहले दिन भक्तों की भीड़, महिलाओं ने लाइन में लगकर किए दर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

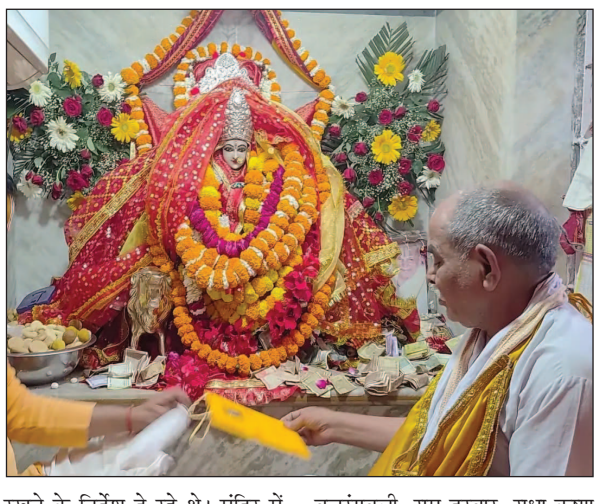

सुल्तानपुर। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन गुरुवार को लोहरामऊ स्थित दुर्गा देवी धाम और माता मरी धाम पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। भारतीय नववर्ष के साथ शुरू हुए इस पर्व पर मां शैलपुत्री की पूजा के लिए श्रद्धालु सुबह से ही मंदिरों में पहुंचने लगे थे। दुर्गा देवी धाम लोहरामऊ में सुबह पांच बजे से ही भक्त कतारबद्ध होकर दर्शन कर रहे थे। श्रद्धालुओं ने मां भगवती को नारियल, चुनरी और साज-सज्जा का सामान अर्पित किया। इसके साथ ही हलुआ-पूरी का भोग भी लगाया गया। मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोतवाली देहात पुलिस तैनात रही। हाईवे किनारे मुख्य द्वार से लेकर मंदिर के गर्भगृह तक चार महिला और पुरुष आरक्षी तैनात किए गए थे। वे भक्तों को कतार में लगकर दर्शन करने और अपने आभूषणों व सामानों को सुरक्षित रखने के निर्देश दे रहे थे। मंदिर में देवी प्रतिमा के सामने श्रद्धालु आरती और हवन करते भी दिखे। मंदिर के पुजारी पंडित राजेंद्र प्रसाद मिश्र ने बताया कि नवरात्रि के दौरान सभी भक्तों को सुगमता से दर्शन कराए जा रहे हैं। लोहरामऊ मंदिर परिसर में भक्त देवी की आराधना के बाद बजरंगबली, राम दरबार, राधा कृष्ण और भगवान शिव के भी दर्शन कर पूजा-अर्चना कर रहे थे। भदैया के गोमती नदी किनारे स्थित शाहपुर हरिवंश गांव में माता मरी माई धाम पर भी सुबह से दोपहर तक भक्तों की भीड़ लगी रही, जहां लोग कतार में लगकर दर्शन करते रहे।

सड़क हादसे में 2 युवकों की मौत, 1 की हालत गंभीर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग 731 पर बुधवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ढकवा बाईपास स्थित लल्लनटॉप रेस्टोरेंट के सामने एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार तीन युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार युवक सड़क पर काफी दूर जा गिरे। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।मृतकों की पहचान शिवा पुत्र हनुमान मोदनवाल(20) पंतनगर एवं श्याम अग्रहरि पुत्र प्रदीप अग्रहरि,(19) कंचन नगर दोनों निवासी नगर पंचायत कोइरीपुर, के रूप में हुई है। वहीं, घायल युवक की पहचान साहिल पुत्र राकेश सोनी (21)के रूप में हुई है, जो उसी क्षेत्र का निवासी है।घटना के तुरंत बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जौनपुर के एक निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है।बताया जा रहा है की उसका दाहिना पैर बहोत हीं बुरी तरह से फैक्चर हो गया है।

इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही दुर्घटना में शामिल कार को पुलिस कब्जे में लेकर गहानता से जांच में जुटी हुई है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। इस हृदयवीदारक घटना की खबर मिलते ही नगर पंचायत कोइरीपुर में शोक की लहर दौड़ गई। मृतकों के घरों में कोहराम मचा हुआ है और पारिजनों का रो रोंकर बुरा हॉल हो गया है परिजन गहरे सदमे में हैं। क्षेत्रीय लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

एजेंसी मालिक को मिली जान से मारने की धमकी

बल्दीराय/सुलतानपुर। थाना क्षेत्र के बहुरांवा कस्बे में स्थित कान्हा ऑटो सर्विस के मालिक विजय कुमार शुक्ल को अज्ञात युवक ने मोबाइल नंबर से जान से मारने की धमकी दी । धमकी मिलने का मामला सामने आया है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पीड़ति विजय कुमार शुक्ल के अनुसार, वह रोज की तरह अपने हीरो कान्हा आटो सेल्स शोरूम पर पहुंचे और पूजा कर रहे थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर एक कॉल आई। पूजा समाप्त होने के बाद जब उन्होंने उस नंबर पर वापस कॉल किया, तो दूसरी तरफ से बात कर रहे अज्ञात युवक ने गाली-गलौज शुरू कर दी और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़ति ने स्थानीय पुलिस से शिकायत करने की बात कही है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और कॉल करने वाले युवक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं क्षेत्र में असुरक्षा की भावना पैदा कर रही हैं।

बरेली के परिषदीय स्कूलों में गैस सिलिंडर खत्म, चूल्हे पर पक रहा मिडडे मील, परीक्षा के समय बढ़ी मुसीबत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली जनपद के परिषदीय विद्यालयों में इन दिनों रसोई गैस की भारी किल्लत के कारण मध्याह्न भोजन योजना (मिडडे मील) पटरी से उतरती नजर आ रही है। होली के बाद से गैस आपूर्ति बाधित होने के कारण रसोइया चूल्हे पर खाना बनाने को विवश हैं, जिससे न केवल धुएं और प्रदूषण की समस्या हो रही है, बल्कि समय पर भोजन तैयार करना भी चुनौतीपूर्ण हो गया है। वर्तमान में परिषदीय विद्यालयों में वार्षिक परीक्षाएं चल रही हैं, जिसमें विद्यार्थियों की उपस्थिति लगभग शत-प्रतिशत है। जनपद के लगभग 3000 विद्यालयों में यह संकट बना हुआ है, जिससे प्रधानाध्यापक और रसोइया दोनों ही मानसिक दबाव में हैं।

इस गंभीर समस्या को देखते हुए संगठन के मंडल अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने मुख्य विकास अधिकारी को मामले से अवगत कराया है। उन्होंने छात्र हित को सर्वोपरि रखते हुए जिला प्रशासन से मांग की है कि मार्च 2026 के लिए प्रत्येक विद्यालय को तत्काल कम से कम दो गैस सिलिंडरों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसी क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. विनीता ने भी जिला पूर्ति अधिकारी को पत्र लिखकर गैस एजेंसियों को निर्देशित करने का अनुरोध किया है ताकि स्कूलों और स्वयंसेवी संस्थाओं (सेंट्रल किचन) को बिना किसी बाधा के गैस सिलिंडर मिल सकें और बच्चों का पोषण प्रभावित न हो।

बीएसए ने आपूर्ति बहाल करने के लिए लिखा पत्र

जनपद में पीएम पोषण (मिड-डे मील) योजना के तहत गैस सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित होने से व्यवस्था चरमरा गई है। जिले के कुल 2618 विद्यालयों में एलपीजी के अभाव में लकड़ियों और चूल्हे पर खाना बनाया जा रहा है। विशेष रूप से रामनगर और फरीदपुर विकास खंडों के साथ-साथ केंद्रीय किचन संचालित करने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी गैस आपूर्ति में आ रही बाधा की लिखित शिकायत की है। वार्षिक परीक्षाओं के इस महत्वपूर्ण समय में, जब विद्यालयों में बच्चों की भारी भीड़ है, गैस न होने से मध्याह्न भोजन तैयार करने में काफी देरी और कठिनाई हो रही है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को आधिकारिक पत्र भेजकर हस्तक्षेप की मांग की है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि जनपद के 2327 स्कूलों में रसोईघर में भोजन बनता है, जबकि 291 स्कूलों में स्वयंसेवी संस्थाओं की ओर से भोजन पहुंचाया जाता है।

अयोध्या में चैत्र नवरात्रि पर श्रीराम यंत्र की स्थापना, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया दर्शन-पूजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस और सनातन नव संवत्सर (विक्रम संवत-2083) के पावन अवसर पर द्रौपदी मुर्मु ने श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना की तथा श्रीरामलला का दर्शन-पूजन किया। इस अवसर पर आनंदीबेन पटेल और योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।राष्ट्रपति ने देश-विदेश में रहने वाले भारतवासियों और राम भक्तों को नववर्ष और आगामी रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए अयोध्या की महिमा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि की पवित्र धूलि का स्पर्श मिलना अत्यंत सौभाग्य की बात है और 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' की भावना भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा को दर्शाती है। उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित श्रीरामचरितमानस के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए अयोध्या को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अद्वितीय बताया।राष्ट्रपति ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर से जुड़ी विभिन्न ऐतिहासिक तिथियां—भूमि पूजन, प्राण प्रतिष्ठा और मंदिर का आम जन के लिए खुलना—भारत की सांस्कृतिक विरासत की स्वर्णिम उपलब्धियां हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को प्राप्त करेगा। उन्होंने राम राज्य की अवधारणा को सामाजिक समावेश, आर्थिक समृद्धि और नैतिक मूल्यों का आदर्श बताया।उन्होंने समाज में समावेशिता के उदाहरण के रूप में शबरी, निषादराज, जटायु और वानर समुदाय के साथ प्रभु श्रीराम के संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह जीवन दर्शन सभी को साथ लेकर चलने की प्रेरणा देता है। साथ ही पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक न्याय और नैतिक जीवन मूल्यों को अपनाने पर भी बल दिया।राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने इस अवसर को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि हिन्दू नववर्ष के प्रथम दिवस पर श्रीराम यंत्र की स्थापना एक पवित्र संयोग है। उन्होंने अयोध्या को आस्था, श्रद्धा और सनातन संस्कृति का जीवंत प्रतीक बताते हुए कहा कि यहां की चेतना आज वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान बन रही है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वैदिक मंत्रों के साथ अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारत की आस्था और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मंदिर निर्माण से जुड़े सभी चरणों ने देशवासियों को गौरव की अनुभूति कराई है और 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद यह ऐतिहासिक क्षण संभव हुआ है।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जहां कई देशों में अशांति है, वहीं अयोध्या में इस प्रकार के आध्यात्मिक आयोजन भारत की सांस्कृतिक शक्ति और स्थिरता को दर्शाते हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में प्रदेश में 156 करोड़ से अधिक श्रद्धालु और पर्यटक धार्मिक स्थलों पर पहुंचे, जो भारत की बढ़ती आध्यात्मिक चेतना का प्रमाण है।इस अवसर पर संत समाज, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी और अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्रीराम यंत्र की स्थापना को सनातन परंपरा और आधुनिक भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक बताया गया।

सनातन विरोध वाले स्थानों पर नहीं जाती वर्तमान पीढ़ी : सीएम योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना की। इस अवसर पर राष्ट्रपति की उपस्थिति में गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने सबसे पहले प्रदेशवासियों को भारतीय नवसंवत्सर की शुभकामना दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरयू मैया अयोध्या धाम को पवित्र करते हुए अपने निर्मल जल से पूरे क्षेत्र को पवित्र करती हैं।

रामराज्य की अनुभूति का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में युद्ध चल रहे हैं और हम श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना कार्यक्रम में सहभागी बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने वर्तमान पीढ़ी की प्रशंसा की और कहा कि यह पीढ़ी नववर्ष पर ऐसे किसी टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर नहीं जाती, जहां सनातन के विरोध में कोई कार्य हो रहा है। वह नए वर्ष पर परिवार के साथ मंदिर जाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व-मार्गदर्शन में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन, श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा, रामदरबार के पवित्र विग्रह की स्थापना, ध्वजा आरोहण और आज श्रीराम यंत्र की स्थापना का कार्यक्रम हर सनातन धर्मावलंबी व सच्चे भारतीय को आनंद से विभोर कर देता है और यही भारत की आस्था है। सीएम योगी ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा, कहा कि आस्था को अंधविश्वास कहकर अपमानित किया गया था। इसे अपमानित करने वाले वही लोग हैं, जो सत्ता बचाने के लिए नोएडा नहीं जाते थे। नोएडा न जाना उनके लिए अंधविश्वास नहीं था, लेकिन राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम, कृष्ण-कन्हैया के मथुरा-वृंदावन की बात करना अंधविश्वास का पर्याय था। लेकिन जो आस्था 500 वर्ष तक निरंतर बनी रही, संघर्षों का मुकाबला करती रही, वह न रुकी, न डिगी और न झुकी। आस्था को अपमानित करने वाली सत्ता के खिलाफ संघर्ष निरंतर जारी रहा। अंततः वह दिन आया, जब अयोध्या इस रूप में सबके सामने है।

सीएम योगी ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर भारत के राष्ट्र मंदिर का प्रतीक बन गया है। यह रामराज्य की आधारशिला भी है। दुनिया में तमाम युद्ध चल रहे हैं, अव्यवस्था, आर्थिक अराजकता, भय-आतंक है और अयोध्याधाम में हजारों की संख्या में उपस्थित हम लोग भयमुक्त होकर राष्ट्रपति जी के अभिवादन और श्रीराम यंत्र की स्थापना कार्यक्रम में सहभागी बनकर रामराज्य की अनुभूति कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि भारत इसलिए भारत बना है, क्योंकि इसे ऋषि-मुनियों की तपस्या, अन्नदाता किसानों के परिश्रम, कारीगरों की उद्यमिता और भारत की आस्था ने सदैव 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के रूप में बनाए रखा। श्रीराम जन्मभूमि यज्ञ की पूर्णाहुति कार्यक्रम के साथ जुड़कर न केवल प्रदेशवासी, बल्कि देश-दुनिया के सनातन धर्मावलंबी के मन में भी आनंद की अनुभूति हो रही है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2025 में 156 करोड़ श्रद्धालु-पर्यटक धार्मिक व आध्यात्मिक स्थलों की यात्रा करने उत्तर प्रदेश आए। अयोध्या, काशी, प्रयागराज महाकुम्भ, मथुरा-वृंदावन में दर्शन करने जितने लोग आए, उतनी आबादी कई देशों की नहीं है। यह नया और बदलता भारत है। वर्तमान पीढ़ी अब दिग्भ्रमित नहीं है, वह सही दिशा में जा रही है। वह नए वर्ष पर परिवार के साथ मंदिर जाती है। लोग किसी ऐसे टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर नहीं जाते, जहां सनातन के विरोध में कोई कार्य हो रहा है। सीएम ने राम मंदिर निर्माण यज्ञ में योगदान देने वाले संतों, रामभक्तों, कारीगरों/श्रमिकों का अभिनंदन किया। उन्होंने आंदोलन के दौरान बलिदान देने वाले रामभक्तों के साथ ही संतों व दिवंगत विहिप नेता अशोक सिंहल आदि को नमन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को स्मृति चिह्न प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने किया। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मां अमृतानंदमयी (अम्मा), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक भैया जी, श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, ट्रस्टी अनिल मिश्रा, मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले कारीगरों के पारिवारिक सदस्यों समेत हजारों रामभक्त मौजूद रहे।

संक्षेप

डॉ. हेडगेवार जयंती पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अर्पित की श्रद्धांजलि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास 7-कालिदास मार्ग पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक एवं प्रथम सरसंघचालक केशव बलिराम हेडगेवार की जयंती के अवसर पर उनके स्मृति चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. हेडगेवार का सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, संगठन शक्ति और सांस्कृतिक जागरण के लिए समर्पित रहा। उनके विचार आज भी एक सशक्त, संगठित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में एकता, समरसता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की भावना को आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. हेडगेवार द्वारा स्थापित मूल्यों के अनुरूप कार्य करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार नरेंद्र मोदी तथा योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अंत्योदय के सिद्धांत पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अवैध कोडीनयुक्त कफ सिरप के कारोबार का भंडाफोड़, वांछित अभियुक्त गाजियाबाद से गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना इंदिरानगर पुलिस और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में कोडीनयुक्त कफ सिरप एवं अन्य स्वापक/मन :प्रभावी औषधियों के अवैध कारोबार में संलिप्त एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है।यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के जोन-पूर्वी में उच्चाधिकारियों के निर्देशन में की गई। पुलिस के अनुसार अभियुक्त आरूष सक्सेना को 18 मार्च 2026 को तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर गाजियाबाद से गिरफ्तार किया गया। उसे लखनऊ लाकर थाना इंदिरानगर में दाखिल किया गया है, जहां आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।इस प्रकरण में 9 दिसंबर 2025 को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के निरीक्षक विवेक कुमार सिंह की तहरीर पर थाना इंदिरानगर में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि अभियुक्तों द्वारा आपराधिक षड्यंत्र के तहत अवैध आर्थिक लाभ के लिए बड़ी मात्रा में कोडीनयुक्त कफ सिरप और अन्य प्रतिबंधित औषधियों का भंडारण कर उन्हें गैर-चिकित्सकीय उपयोग के लिए बेचा जा रहा था।पुलिस के अनुसार यह नेटवर्क संगठित तरीके से संचालित किया जा रहा था, जो युवाओं में नशे की लत को बढ़ावा दे रहा था। मामले में पूर्व में एक अन्य अभियुक्त प्रीतम सिंह उर्फ मोंटी सरदार को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।गिरफ्तार अभियुक्त आरूष सक्सेना के खिलाफ पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई में जुटी हुई है।

हजरतगंज में पुलिस का बड़ा एक्शन : फर्राटा भरने वाली 22 रेसर बाइकों पर सीजर की कार्रवाई

लखनऊ(आरएनएस)। राजधानी में यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाने और सार्वजनिक सड़कों पर तेज रफ्तार से बाइक दौड़ाकर दहशत फैलाने वालों के खिलाफ हजरतगंज पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। सघन चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने 22 फर्राटा रेसर बाइकों को सीज कर सख्त संदेश दिया कि नियमों के उल्लंघन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।पुलिस आयुक्त और संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (मध्य) के पर्यवेक्षण तथा अपर पुलिस उपायुक्त (मध्य) और सहायक पुलिस आयुक्त हजरतगंज के मार्गदर्शन में की गई। प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह के नेतृत्व में थाना हजरतगंज पुलिस टीम ने क्षेत्र में विशेष यातायात चेकिंग अभियान चलाया।अभियान के दौरान ऐसे मनबढ़ युवकों को चिन्हित किया गया, जो सार्वजनिक मार्गों पर तेज रफ्तार में बाइक चलाकर अन्य वाहन चालकों और राहगीरों के लिए खतरा बन रहे थे। पुलिस ने मौके पर ही कार्रवाई करते हुए 22 बाइकों को सीज कर थाना परिसर में खड़ा कराया। इन सभी वाहनों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।सीज किए गए वाहनों में विभिन्न कंपनियों की बाइक्स शामिल हैं, जिनमें आर15, केटीएम, यामाहा, कावासाकी, एवेंजर, हीरो एक्सट्रीम, बुलेट, पल्सर, एक्टिवा और पैशन जैसे वाहन शामिल हैं।

मड़ियांव में नाबालिग की संदिग्ध हालात में मौत, पुलिस जांच में कई अहम तथ्य उजागर

लखनऊ। थाना मड़ियांव क्षेत्र में नाबालिग बालिका के लापता होने और बाद में उसका शव बरामद होने की घटना ने सनसनी फैला दी है। पुलिस इस पूरे मामले को अत्यंत संवेदनशील मानते हुए हर पहलू से जांच में जुटी है और कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं, जिनसे मामला संदिग्ध होता जा रहा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 मार्च 2026 की रात लगभग 9:20 बजे पुलिस हेल्पलाइन 112 पर सूचना मिली कि एक नाबालिग लड़की अपने मौसा के साथ गई थी, जहां कुछ अज्ञात लोगों द्वारा मारपीट किए जाने और बालिका के लापता होने की बात कही गई। सूचना मिलते ही थाना मड़ियांव पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए तत्काल जांच शुरू की।प्रारंभिक पूछताछ में मौसा कुलदीप पुत्र प्रीतम, निवासी मामा कॉलोनी, मड़ियांव ने बताया कि वह अपनी भतीजी को दवा दिलाने के लिए मोटरसाइकिल से पीली कॉलोनी, दाऊद नगर जा रहे थे। रास्ते में मामा कॉलोनी मोड़ पर कुछ लोगों से कहासुनी होने के बाद वे पीपा पुल की ओर चले गए। कुलदीप के अनुसार वहां चार पहिया वाहन सवार कुछ लोगों ने बालिका को जबरन गाड़ी में खींच लिया। हालांकि जांच के दौरान पुलिस को कई ऐसे तथ्य मिले हैं, जो इस बयान पर सवाल खड़े करते हैं। पुलिस के अनुसार कुलदीप मौके पर अत्यधिक नशे की हालत में पाए गए। वहीं पीपा पुल के पास नदी किनारे बालिका के कपड़े और चप्पल व्यवस्थित रूप से रखे हुए मिले। इसके अलावा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में कुलदीप बालिका को मोटरसाइकिल से पीपा पुल की ओर ले जाते हुए तो दिखाई दिए, लेकिन उनके पीछे कोई चार पहिया वाहन नहीं देखा गया।घटना की गंभीरता को देखते हुए SDRF और फील्ड यूनिट की टीमों ने सर्च ऑपरेशन चलाया।

प्रेम विवाह से नाराज परिवार ने दामाद की पीट-पीटकर की हत्या, आशियाना पुलिस ने 6 आरोपियों को दबोचा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के आशियाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाले हत्या कांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए मृतक के ससुराल पक्ष के छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। प्रेम विवाह से नाराज परिवार ने साजिश रचकर दामाद को घर बुलाया और बेरहमी से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी, जबकि पत्नी को बंधक बनाकर कमरे में बंद कर दिया गया।घटना 17 मार्च 2026 की है, जब डायल-112 के माध्यम से सूचना मिलने पर थाना आशियाना पुलिस मौके पर पहुंची। घर के अंदर एक व्यक्ति का शव फर्श पर पड़ा मिला, जिसके सिर और शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे और आसपास खून फैला हुआ था। वहीं कमरे में एक महिला, साक्षी सिंह, हाथ-पैर और मुंह बंधे हालत में मिली, जिसे पुलिस ने मुक्त कराया।पूछताछ में साक्षी सिंह ने बताया कि उसके पिता, माता, चाचा और बहनों ने मिलकर उसके पति विष्णु यादव की लकड़ी के पाये से पीट-पीटकर हत्या कर दी। उसने बताया कि वारदात से पहले उसे बांधकर एक कमरे में बंद कर दिया गया था ताकि वह विरोध न कर सके।मृतक विष्णु यादव, निवासी पीथापुर थाना सांगीपुर, जनपद प्रतापगढ़, करीब 30 वर्ष का था। पुलिस के अनुसार चार वर्ष पहले विष्णु यादव और साक्षी सिंह ने प्रेम विवाह किया था, जिससे ससुराल पक्ष नाराज रहता था। इसी रंजिश के चलते ससुराल वालों ने योजना बनाकर उसे घर बुलाया और घटना को अंजाम दिया।पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करते हुए त्वरित कार्रवाई में सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

नवरात्रि से पहले सफाई व्यवस्था पर सख्ती, महापौर ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का किया निरीक्षण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नवरात्रि पर्व को देखते हुए शहर की स्वच्छता और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए महापौर 1 ने गुरुवार सुबह नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ विभिन्न जोनों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान प्रमुख चौराहों, मंदिरों, नालों और सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।निरीक्षण की शुरुआत जोन-1 स्थित बर्लिंगटन चौराहे से की गई, जहां महापौर ने सफाई व्यवस्था का अवलोकन करते हुए मुख्य मार्गों की नियमित साफ-सफाई, सुबह के समय कूड़ा संग्रहण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा त्योहारों के दौरान अतिरिक्त सफाई कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पर्व के दौरान नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।इसके बाद जोन-8 के बारा बिरवा स्थित ज्वाला मंदिर के बाहर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। महापौर ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।इसी क्रम में बंगला बाजार स्थित चन्द्रिका देवी मंदिर परिसर का भी निरीक्षण किया गया। यहां महापौर ने माता रानी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और श्रद्धालुओं व पुजारियों से सफाई व्यवस्था को लेकर सुझाव भी लिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मंदिर परिसर में स्वच्छता, पेयजल और कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए।निरीक्षण के दौरान भट्ठुक क्षेत्र में साफ-सफाई की स्थिति का भी जायजा लिया गया। महापौर ने संबंधित अधिकारियों को नालियों की नियमित सफाई और सड़क झाड़ू व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र में जलभराव और गंदगी की समस्या उत्पन्न न हो।इसके अलावा त्यागी विहार से गुजर रहे नाले की सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। महापौर ने नगर आयुक्त को निर्देशित किया कि इस नाले की निकासी व्यवस्था और ढलान को दुरुस्त कराने के लिए संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित किया जाए, जिससे जल निकासी सुचारु रूप से हो सके। साथ ही बंगला बाजार चौराहे के पास स्थित सार्वजनिक शौचालय का भी निरीक्षण किया गया, जहां अतिक्रमण पाए जाने पर उसे तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए।

मॉडिफाइड साइलेंसर वाली फर्राटा बाइकों पर कार्रवाई, चार वाहन सीज

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से गौतमपल्ली पुलिस ने सख्त अभियान चलाते हुए सार्वजनिक मार्गों पर तेज रफ्तार और मॉडिफाइड साइलेंसर के साथ फर्राटा भर रही चार बाइकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। इस कार्रवाई से न केवल यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों में हड़कंप मच गया, बल्कि आम जनमानस में सुरक्षा का संदेश भी गया है।संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) के निर्देश पर चलाए जा रहे संघन चेकिंग अभियान के तहत यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (मध्य) के पर्यवेक्षण तथा अपर पुलिस उपायुक्त (मध्य) और सहायक पुलिस आयुक्त हजरतगंज के मार्गदर्शन में की गई। थाना प्रभारी रत्नेश कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना गौतमपल्ली पुलिस टीम ने क्षेत्र में विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया।अभियान के दौरान पुलिस ने ऐसे युवकों को चिन्हित किया, जो मॉडिफाइड साइलेंसर लगी बाइकों से तेज आवाज और रफ्तार के साथ सार्वजनिक सड़कों पर वाहन दौड़ाकर अन्य वाहन चालकों और राहगीरों में भय का माहौल बना रहे थे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए ऐसी चार बाइकों को मौके पर ही सीज कर लिया। सभी वाहनों को थाना परिसर में खड़ा कर दिया गया है और उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।सीज किए गए वाहनों में यूपी-32-एनबी-9122 बुलेट 350, यूपी-32-पीजे-4794 बुलेट 350 सीसी, यूपी-32-क्यूके-6244 बुलेट 350 सीसी और यूपी-32-पीवाई-4761 बुलेट हंटर 350 सीसी शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मॉडिफाइड साइलेंसर और तेज रफ्तार से वाहन चलाना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ती है।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रत्नेश कुमार सिंह के साथ उपनिरीक्षक अमित कुमार, उपनिरीक्षक धीरेन्द्र कुमार, उपनिरीक्षक मंगल सिंह, कांस्टेबल यशवंत मिश्र, महिला कांस्टेबल समा गौतम और महिला कांस्टेबल ऊषा वर्मा शामिल रहीं।पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आगे भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, ताकि शहर में सुरक्षित और सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

हज-2026: पासपोर्ट पहले जमा करने की बाध्यता खत्म, यात्रियों को दिए गए जरूरी निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति के सचिव/कार्यपालक अधिकारी ने हज-2026 के लिए महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए पासपोर्ट पहले से जमा करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। अब हज यात्रियों को अपना मूल अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट स्वयं सुरक्षित रखना होगा और फ्लाइट बुकिंग के समय उसे अपने साथ लेकर उड़ान स्थल पर पहुंचना होगासमिति द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार यात्रा प्रपत्र उड़ान स्थल पर मूल पासपोर्ट दिखाने के बाद ही उपलब्ध कराए जाएंगे। यात्रियों को सलाह दी गई है कि पासपोर्ट से संबंधित सभी विवरण पहले ही सत्यापित कर लें।निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि पासपोर्ट की वैधता 31 दिसंबर 2026 तक होना अनिवार्य है। पासपोर्ट किसी भी प्रकार से कटा-फटा, दागयुक्त या क्षतिग्रस्त नहीं होना चाहिए और उसमें वीजा स्टैम्पिंग के लिए कम से कम दो खाली पृष्ठ होने जरूरी हैं।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित अंतरजनपदीय गिरोह का पर्दाफाश, गैंग लीडर समेत 4 शातिर गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में मोहनलालगंज पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए गैंगस्टर एक्ट में वांछित एक अंतरजनपदीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। सुनियोजित कार्रवाई के तहत पुलिस ने गैंग लीडर कमलेश सहित चार शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरोह के अन्य फरार सदस्यों की तलाश जारी है।पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र सिंह सेंगर के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त दक्षिणी निपुण अग्रवाल के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में गठित टीम ने 18 मार्च 2026 की रात गोसाईंगंज क्षेत्र के हबुआ पुल के पास से कमलेश, अभिलाष उर्फ अभिलाख, बाबूराम और रामचन्द्र उर्फ छोटू को गिरफ्तार किया।पुलिस के अनुसार इस गिरोह के सदस्य विभिन्न जनपदों में चोरी, डकैती और अन्य गंभीर अपराधों में संलिप्त रहे हैं। इनके खिलाफ थाना निगोहा में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।पूछताछ में एक सनसनीखेज खुलासा हुआ है। मार्च 2025 में मोहनलालगंज क्षेत्र के ग्राम भैदुआ में डकैती की योजना के दौरान गिरोह के एक सदस्य को आपसी विवाद में गोली लग गई थी। गोली की आवाज सुनकर घरवाले जाग गए, जिसके बाद आरोपी अपने घायल साथी को लेकर फरार हो गए। अत्यधिक रक्तस्राव से उसकी मौत हो गई।घटना को छिपाने के लिए अभियुक्तों ने मृतक के शव के साथ छेड़छाड़ की, गोली के निशान को शार्प वस्तु से खरोंचकर मिटाने की कोशिश की और शव को पहले पुवाल में छिपाया। बाद में उसे रेलवे ट्रैक पर रखकर आत्महत्या या दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया गया, जिससे शव क्षत-विक्षत हो गया। मृतक की पहचान सीतापुर निवासी सुशील चौहान के रूप में हुई, जिसके खिलाफ भी कई आपराधिक मामले दर्ज थे।पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह वारदात को अंजाम देने से पहले गांवों में रेकी करता था, मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करता था और सीसीटीवी से बचने के लिए खेतों के रास्तों का इस्तेमाल करता था। पहचान छिपाने के लिए कम कपड़े पहनते और शरीर पर तेल लगाते थे, साथ ही अंधेरी रातों में घटनाओं को अंजाम देते थे।

बिहार के बाद अब पश्चिम बंगाल की बारी

अब बिहार में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। 20 साल का नीतीश कुमार का राज समाप्त हो रहा है। यह संयोग भी है कि ये दोनों राज्य किसी समय बंगाल का हिस्सा रहे थे। इनके बाद अब बंगाल की बारी है। भारतीय जनता पार्टी कुछ इसी अंदाज में चुनाव की तैयारी कर रही है।

भारतीय जनता पार्टी ने बिहार का किला फतह कर लिया है। अब पश्चिम बंगाल की बारी है। ध्यान रहे उत्तर, पश्चिम और पूर्वी भारत के सिर्फ तीन बड़े राज्य ऐसे थे, जहां भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री नहीं बन पाया था। 2024 में उनमें से एक राज्य ओडिशा में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की और उसका मुख्यमंत्री बना। भाजपा ने 25 साल का नवीन पटनायक का राज खत्म किया। उसके बाद अब बिहार में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। 20 साल का नीतीश कुमार का राज समाप्त हो रहा है। यह संयोग भी है कि ये दोनों राज्य किसी समय बंगाल का हिस्सा रहे थे। इनके बाद अब बंगाल की बारी है। भारतीय जनता पार्टी कुछ इसी अंदाज में चुनाव की तैयारी कर रही है। इतिहास में भी दिल्ली और देश पर उसी का राज मजबूत हुआ, जिसका बंगाल पर कब्जा था। दक्कन यानी दक्षिण भारत की लड़ाई उसके बाद लड़ी जाती है। हालांकि भाजपा एक साथ दक्षिण भारत की लड़ाई भी लड़ रही है।

बहरहाल, पश्चिम बंगाल की चुनावी लड़ाई आर-पार की सिर्फ इसलिए नहीं है कि वहां भाजपा को अपनी सरकार बनानी है या अपना मुख्यमंत्री बनाना है। यह कई दूसरे कारणों से आर-पार की लड़ाई है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा और बंगाली हिंदुओं की सुरक्षा से जुड़ा चुनाव है। ध्यान रहे हर चुनाव के साथ सुरक्षा की चिंता गहराती जाती है। पांच साल पहले जो चुनाव हुआ वह भी राष्ट्रीय सुरक्षा और बंगाली हिंदुओं की सुरक्षा से जुड़ा था। तभी भाजपा के पक्ष में व्यापक हिंदू ध्रुवीकरण हुआ था। भाजपा को 40 फीसदी से कुछ कम वोट मिले थे। लेकिन चुनाव नतीजों के बाद जो हुआ उसने चिंता को कई गुना बढ़ा दिया। दो मई 2021 को आए नतीजों के बाद राज्य के कई हिस्सों में बड़ी हिंसा हुई। भाजपा का समर्थन करने वाले हिंदुओं की पहचान पहले से की गई थी। नतीजों के बाद उनके घरों पर हमले हुए। उनको मारा गया। सैकड़ों हत्याएं हुईं, जिसे नस्ली सफाए की कोशिश कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।

इस बार के चुनाव पर उस डर का साया साफ दिख रहा है। बंगाल के लोगों को इस डर से बाहर निकलना होगा। भारतीय जनता पार्टी को यह भरोसा दिलाना होगा कि वह आम लोगों के साथ खड़ी है। सुरक्षा बलों की तैनाती अपनी जगह है। लेकिन वह स्थायी समाधान नहीं है क्योंकि केंद्रीय बलों की तैनाती अनंतकाल तक नहीं हो सकती है। तृणमूल कांग्रेस के राज और उसमें एक समुदाय की ओर से होने वाले अत्याचार से त्रस्त लोगों को अगर यह भरोसा नहीं हुआ कि भाजपा जीतेगी और उसके बाद जमीनी हालात बदलेंगे, तब तक वह हिम्मत के साथ मतदान के लिए नहीं निकलेगा। उसके मनोविज्ञान में पिछली बार के चुनाव के बाद हुई हिंसा की तस्वीरें बैठी हुई हैं। इसलिए वह डरा हुआ है लेकिन यह भी चाहता है कि किसी तरह के बदलाव हो। यह पहला मौका है, जब बांग्लाभाषी हिंदू वास्तव में इस बात की चिंता कर रहा है कि अगर तृणमूल कांग्रेस की सत्ता में वापसी हुई तो उसका क्या होगा! इसलिए वे सत्ता परिवर्तन चाहते हैं लेकिन उससे पहले उनको हौसला और संबल चाहिए।

इस बार का विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए अपने साथ साथ परिवार और पार्टी का अस्तित्व बचाने वाला चुनाव बन गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पता है कि अगर उनकी पार्टी चुनाव हारी तो उसका हश्र भी वैसा ही होगा, जैसा वामपंथी मोर्चे की जीत के बाद कांग्रेस का हुआ था और तृणमूल की जीत के बाद वाम मोर्चे की पार्टियों का हुआ था। एक बार चुनाव हार कर सत्ता से बाहर होने के बाद कोई साथ नहीं देगा। तभी वे भी आर-पार की लड़ाई की तैयारी में हैं। उनकी तैयारी में एक बड़ी बाधा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर से पैदा हो रही है। चुनाव आयोग ने राज्य सरकार के सारे दांव फेल कर दिए हैं। गौरतलब है कि बिहार में एसआईआर शुरू होने के बाद पश्चिम बंगाल की सरकार ने बड़े पैमाने पर लोगों को ऐसे प्रमाणपत्र उपलब्ध कराए, जो एसआईआर की प्रक्रिया में मददगार बने। तभी एसआईआर के पहले चरण के बाद बंगाल में 58 लाख ही नाम कटे, जबकि बिहार में 69 लाख नाम कटे थे। एसआईआर के दूसरे चरण के बाद यानी तमाम अदालती हस्तक्षेप के बाद जो अंतिम मतदाता सूची सामने आई उसमें भी 60 लाख नाम विचाराधीन कर दिए गए। इन मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच का जिम्मा अब न्यायिक अधिकारियों के हाथ में है। पिछले एक हफ्ते में इन 60 लाख मतदाताओं में से सिर्फ 10 फीसदी यानी छह लाख मतदाताओं के दस्तावेजों की जांच हो पाई है।

राज्यसभा चुनाव में वोटिंग हो या क्रॉस वोटिंग, NDA का 'राजनीतिक प्रबंधन' लाजवाब है

हम आपको बता दें कि इन चुनावों में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा के कई दिग्गज नेता और अन्य सहयोगी दलों के प्रमुख चेहरे राज्यसभा पहुंचे। वहीं कई राज्यों में विपक्षी दलों के उम्मीदवार या तो निर्विरोध जीत गए

नीरज कुमार दुबे

देश के दस राज्यों में हुए द्विवार्षिक राज्यसभा चुनावों ने एक बार फिर भारतीय राजनीति की दिशा और दशा दोनों को स्पष्ट कर दिया है। कुल 37 सीटों के लिए हुए इस चुनाव में जहां कई उम्मीदवार निर्विरोध जीतकर उच्च सदन पहुंचे, वहीं ग्यारह सीटों पर हुए मुकाबले ने सत्ता और विपक्ष की वास्तविक ताकत को उजागर कर दिया। खासकर बिहार, हरियाणा और ओडिशा में जो नतीजे सामने आए, उन्होंने यह साबित कर दिया कि भारतीय जनता पार्टी और उसके नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन राजनीतिक कौशल और संगठनात्मक मजबूती में विपक्ष से कई कदम आगे है।

हम आपको बता दें कि इन चुनावों में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भाजपा के कई दिग्गज नेता और अन्य सहयोगी दलों के प्रमुख चेहरे राज्यसभा पहुंचे। वहीं कई राज्यों में विपक्षी दलों के उम्मीदवार या तो निर्विरोध जीत गए या फिर मुकाबले में पूरी तरह पिछड़ गए। लेकिन असली कहानी उन राज्यों में लिखी गई जहां मुकाबला हुआ और वहां विपक्ष की कमजोरी खुलकर सामने आ गई।

बिहार की बात करें तो आपको बता दें कि राज्य में पांच सीटों के लिए हुए चुनाव में एनडीए ने क्लीन स्वीप कर विपक्ष को करारी शिकस्त दी। यह जीत केवल संख्या बल की नहीं बल्कि रणनीतिक कौशल की भी जीत थी। एनडीए ने पहले से तय कर लिया था कि पांचवीं सीट के लिए दूसरा वरीयता मत निर्णायक होगा और उसी के अनुसार पूरी रणनीति बनाई गई। विपक्ष के पास 41 विधायक थे, लेकिन मतदान के समय चार विधायक गायब हो गए। तीन कांग्रेस और एक राजद विधायक के अनुपस्थित रहने से विपक्ष की पूरी रणनीति ध्वस्त हो गई। दूसरी ओर एनडीए ने अपने सभी 202 विधायकों का मतदान सुनिश्चित कर विपक्ष को पूरी तरह चित कर दिया।

दूसरी वरीयता मतों की गिनती में एनडीए उम्मीदवार शिवेश कुमार ने आसानी से जीत हासिल कर ली। यह वही मोड़ था जहां विपक्ष पूरी तरह खेल से बाहर हो गया। यह नतीजा केवल हार नहीं बल्कि विपक्ष की संगठनात्मक विफलता का प्रतीक बन गया। राजनीतिक तौर पर यह संदेश साफ है कि बिहार में विपक्ष न केवल बिखरा हुआ है बल्कि अपने ही विधायकों पर नियंत्रण खो चुका है। कांग्रेस में संभावित टूट और राजद के भीतर असंतोष अब खुलकर सामने आ चुका है।

उधर, भाजपा शासित हरियाणा में दो सीटों के लिए हुए चुनाव में भाजपा और कांग्रेस को एक एक सीट मिली, लेकिन असली कहानी यहां भी अंदरखाने चली रणनीति की रही। भाजपा उम्मीदवार संजय भाटिया ने पहले वरीयता मतों में ही कोटा पार कर शानदार जीत दर्ज की। कांग्रेस उम्मीदवार करमवीर बौद्ध की जीत जरूर हुई, लेकिन यह जीत बेहद संघर्षपूर्ण रही। कांग्रेस के चार वोट अमान्य हो गए और पांच वोट भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार की ओर चले गए। यानी विपक्ष यहां भी पूरी तरह संगठित नहीं दिखा। यह नतीजा बताता है कि हरियाणा में भाजपा न केवल मजबूत स्थिति में है बल्कि विपक्ष के भीतर सेंध लगाने की क्षमता भी रखती है। कांग्रेस की जीत यहां राहत जरूर है, लेकिन अंदरूनी कमजोरी साफ दिखाई दे रही है। कांग्रेस के लिए यह बहुत बड़ा झटका है कि राज्य में उसके 25 प्रतिशत विधायक अब उसके साथ नहीं हैं।

वहीं ओडिशा में जो हुआ, वह विपक्ष के लिए सबसे बड़ा झटका साबित हुआ। यहां भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप रे ने जीत हासिल कर सबको चौंका दिया। यह जीत सामान्य नहीं थी, बल्कि बड़े पैमाने पर हुई क्रॉस वोटिंग का नतीजा थी। बीजद और कांग्रेस के ग्यारह विधायकों ने पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर वोट किया, जिससे भाजपा को अप्रत्याशित बढ़त मिल गई। संख्या बल में पीछे होने के बावजूद भाजपा ने राजनीतिक प्रबंधन और संपर्क क्षमता के दम पर जीत हासिल की। यह परिणाम बताता है कि ओडिशा में भाजपा तेजी से मजबूत हो रही है और बीजद के लिए संघर्ष बढ़ गया है। विपक्षी एकता यहां पूरी तरह बिखरती नजर आई।

उधर, अन्य राज्यों में देखें तो पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्यों में कई उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए। तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ दलों और कांग्रेस के नेताओं ने बिना मुकाबले राज्यसभा में जगह बनाई। महाराष्ट्र में सातों उम्मीदवारों का निर्विरोध चुना जाना भी राजनीतिक सहमति का उदाहरण रहा। हालांकि इन राज्यों में सीधा मुकाबला नहीं था, लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि जहां भाजपा का सीधा प्रभाव नहीं है, वहां विपक्षी दल आपसी समझौते से काम चला रहे हैं।

देखा जाये तो इन चुनावों के नतीजों ने भारतीय राजनीति में एक बड़ा संदेश दिया है। भाजपा और एनडीए अब केवल चुनाव जीतने वाली मशीन नहीं रहे, बल्कि वे राजनीतिक रणनीति, विधायकों के प्रबंधन और अवसर को भुनाने में भी माहिर हो चुके हैं। दूसरी ओर विपक्ष की हालत बेहद कमजोर नजर आई। अपने ही विधायकों को एकजुट रखने में असफलता, क्रॉस वोटिंग, अनुपस्थिति और अंदरूनी कलह ने उनकी साख को गहरा नुकसान पहुंचाया है। बिहार और ओडिशा जैसे राज्यों में विपक्ष की हार केवल सीटों की हार नहीं है, बल्कि यह विश्वास की हार है। वहीं हरियाणा में भी विपक्ष की कमजोरी उजागर हुई।

बहरहाल, राज्यसभा चुनावों ने साफ कर दिया है कि देश की राजनीति में फिलहाल एनडीए का दबदबा कायम है। भाजपा ने यह दिखा दिया है कि वह हर स्तर पर राजनीतिक खेल को नियंत्रित करना जानती है। विपक्ष के लिए यह चेतावनी है कि अगर उसने अपने भीतर की कमजोरियों को दूर नहीं किया, तो आने वाले चुनावों में उसकी स्थिति और भी खराब हो सकती है।

टिप्पणी

अमेरिका की बेपरवाही की मिसाल

भारत के अतिथि जहाज को भारतीय जल क्षेत्र के करीब डुबो देना भारत की प्रतिष्ठा के प्रति अमेरिका की बेपरवाही की मिसाल है। इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति अवश्य दर्ज करानी चाहिए।

ईरान पर अमेरिका- इजराइल के हमले से पश्चिम एशिया में शुरू हुए युद्ध की आंच बुधवार को भारत तक पहुंच गई, जब भारतीय जलसीमा के करीब ईरान के जहाज इरिस देना को अमेरिका ने डुबो दिया। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीटर हेगसेट ने इसे अपने देश की एक बड़ी सैन्य सफलता के रूप में पेश कर इस बारे में कोई भ्रम नहीं रहने दिया कि ये कार्रवाई योजनाबद्ध ढंग से की गई। अमेरिका ने ऐसा करने को सोचा, यह भारत के प्रति उसके तौहीनी नजरिए का परिचायक है। आखिर वो जहाज भारतीय नौसेना के अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा कार्यक्रम- मिलन- में भाग लेने भारत के आमंत्रण पर आया था। विशाखपत्तमन में इस कार्यक्रम में भाग लेकर वह लौट रहा था।

ईरान ने कहा है कि चूंकि जहाज युद्ध से बाहर के क्षेत्र से गुजर रहा था, अतः उसकी हथियार प्रणालियों को 'सुरक्षित एवं निष्क्रिय' मोड में रखा गया था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है- 'हम मान कर चल रहे थे कि हम दोस्ताना जल क्षेत्र में हैं, अतः जहाज पर सवार अधिकांश लोग समारोहों में भाग लेने वाले गैर लड़ाकू कर्मचारी थे।' डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने ऐसे जहाज पर हमला करने को सोचा, यह तमाम अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मर्यादाओं को ठेंका दिखाने के उसके नजरिए मेल खाता है। मगर ऐसा भारत के अतिथि जहाज के साथ भारतीय जल क्षेत्र के करीब करना भारत की चिंताओं के प्रति उसकी असंवेदनशीलता की भी मिसाल है।

इसलिए इस घटना पर भारत को औपचारिक विरोध एवं आपत्ति दर्ज करानी चाहिए। दुनिया में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त करने की सबसे पहली शर्त खुद अपनी प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहना होता है। वेनेजुएला और ईरान के मामलों में अंतरराष्ट्रीय नियमों के पक्ष में आवाज ना उठा कर भारत ने पहले ही अपनी अंतरराष्ट्रीय हैसियत की अनदेखी की है। मगर अब बात सैद्धांतिक रुख तय करने की नहीं, बल्कि अपने मामले में बोलने की है। कम-से-कम यह अवश्य कहा जाना चाहिए कि अमेरिका अपने युद्ध की आंच हम तक पहुंचाए। भारत के क्षितिज पर वैसे ही अमेरिकी युद्ध के आर्थिक दुष्परिणामों का अंदेशा सघन होता जा रहा है।

ब्लॉग

वैश्विक दबंगई देखने को लाचार संयुक्त राष्ट्र

उमेश चतुर्वेदी

ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजरायली कार्रवाई के बाद एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठा है। दिलचस्प यह है कि अमेरिका ने अतीत में जब भी ऐसी कार्रवाई की, उसने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों को लागू करने का बहाना बनाया। चूंकि मौजूदा अमेरिकी राष्ट्र डोनाल्ड ट्रंप अलबेले राजनेता हैं, उनके लिए नियम-कायदों और जगतगति से ज्यादा उनकी अपनी जुबान और सोच मायने रखत हैं। इसलिए ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की ओट लेने की औपचारिकता भी नहीं निभाई।

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का सबसे बड़ा कारण प्रथम विश्व युद्ध के बाद गठित लीग ऑफ नेशन्स की असफलता रही। अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन की पहल पर प्रथम विश्व युद्ध के बाद 10 जनवरी 1920 को स्थापित लीग ऑफ नेशन्स पहला ऐसा अंतर्राष्ट्रीय संगठन था, जिसका मुख्य उद्देश्य कूटनीति और सामूहिक सुरक्षा के जरिए विश्व शांति बनाए रखना था। लीग ऑफ नेशन्स का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रों के बीच के विवादों को सुलझाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और वैश्विक स्तर पर निरस्त्रीकरण को अमली-जामा पहनाना रहा। लेकिन जिनेवा में स्थित वह संस्था ऐसा करने में पूरी तरह नाकाम रही। उसकी नाकामी के चलते जर्मनी और जापान ने विस्तारवादी नीतियां ना सिर्फ अपनाईं, बल्कि रोजाना नए-नए राष्ट्रों पर कब्जा और हमला करने लगे। इसके बाद जो हुआ, वह विश्व इतिहास के काले पन्नों में दर्ज है। बेशक लीग ऑफ नेशन्स को 20 अप्रैल 1946 को आधिकारिक रूप से भंग किया गया, लेकिन इसके पहले ही 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना कर दी गई। इसकी स्थापना के लिए बड़ा आधार जापान पर हुए अमेरिकी अणुबम हमले के बाद उपजी मानवीय त्रासदी रही। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना हुई।

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह अपने इस प्राथमिक उद्देश्य में सफल है? इस पर चर्चा से पहले संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर ध्यान देना जरूरी है, जिसके अनुसार संयुक्त राष्ट्र का मुख्य उद्देश्य, दुनिया भर में शांति बनाए रखना और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान करना है। इसके साथ ही उसका एक और मकसद, राष्ट्रों के बीच समानता और आत्म-निर्णय के सिद्धांतों के आधार पर दोस्ताना संबंधों का विकास करना भी रहा है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में साफ लिखा है कि यह अंतरराष्ट्रीय संगठन बिना किसी जाति, लिंग, भाषा या धर्म के भेदभाव के पूरी दुनिया के

कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र की भूमिका ऐसे समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करने की सोची गई, जिसके मंच पर विश्व के सभी राष्ट्र उसके साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम कर सकें। लेकिन सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है।

मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देगा। उसका मकसद, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय समस्याओं को हल करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग स्थापित करने के साथ ही, गरीबी दूर करने, भूख, बीमारी और निरक्षरता से लड़ने और प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता प्रदान करने के लिए कार्य करना भी है। इसके साथ ही उसकी भूमिका अंतरराष्ट्रीय संधियों और कानूनों के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए प्रयास करने की भी है। कह सकते हैं कि संयुक्त राष्ट्र की भूमिका ऐसे समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करने की सोची गई, जिसके मंच पर विश्व के सभी राष्ट्र उसके साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम कर सकें। लेकिन सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की हालत सड़क के किनारे बैठे उस असहाय व्यक्ति जैसी हो गई है, जो सड़क पर जारी मारपीट को असहाय भाव से टुकुर-टुकुर देखते को मजबूर रहता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का सबसे प्रमुख उद्देश्य युद्धों को रोकना है। लेकिन ना तो यह शीत युद्ध को रोक सका, ना ही मौजूदा दौर के संघर्षों को रोक पा रहा है। 1991 के खाड़ी युद्ध के लिए तो अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव को ही बहाना बनाया था। 2001 में भी जार्ज बुश के बेटे जूनियर जार्ज बुश और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने भी इराक और अफगानिस्तान पर हमले के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों और उसकी सेना की ओट ली थी। 1994 का रवांडा का नरसंहार हो या फिर 2011 में दक्षिण सूडान में हुआ गृहयुद्ध, 1995 में सर्ब सेना द्वारा बोस्निया में किया गया नरसंहार हो या फिर 2010 के दौरान हुई कथित अरब क्रांति की आड़ में हुई मध्य एशिया की हिंसा, किसी को भी रोकने में संयुक्त राष्ट्र अभियान सफल नहीं रहे।

संयुक्त राष्ट्र का मंच राष्ट्रों के बीच संवाद बढ़ाने और विवादों को सुलझाने के बजाय,उनके बीच गाली-गलौज और आपसी आलोचना का केंद्रभर बनकर रह गया है। अभी संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख और ताकतवर अंगर सुरक्षा परिषद है। इसका गठन ही गैरबराबरी को बढ़ावा देने का बड़ा आधार बन गया है। इसमें तीन राष्ट्र ऐसे हैं, जो अक्सर अपने वीटो पॉवर का इस्तेमाल नकारात्मक तरीके से करते हैं। अमेरिका, चीन और रूस की ज्यादातर भूमिका नकारात्मक रहती है। रही बात ब्रिटेन और फ्रांस की तो उनकी भूमिका मध्यमार्गी है। हालांकि वे भी महत्वपूर्ण मसलों में सीधे हस्तक्षेप करने की भूमिका को प्रभावी ढंग से निभा नहीं सकते। इसका ही असर है कि ईरान पर इजरायल और अमेरिका ने हमला कर रखा है और रूस एवं यूक्रेन के बीच चार साल से युद्ध जारी है। मानवाधिकार के मुद्दों पर भी संयुक्त राष्ट्र प्रभानवी नजर नहीं आता। कोविड महामारी के दौरान जिस तरह विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तीसरी दुनिया के कमजोर देशों के साथ पक्षपात पूर्ण भूमिका निभाई, वह भी संयुक्त राष्ट्र की नाकामी प्रतीक है।

जब से ट्रंप ने अमेरिका की दोबारा कमान संभाली है, तब से उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को और ज्यादा पंगु करने की कोशिश की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन समेत संयुक्त राष्ट्र के कई अंगों में अपनी आर्थिक भागीदारी और सहयोग उन्होंने घटाना शुरू कर दिया है। उनका मानना है कि संयुक्त राष्ट्र के मंचों के जरिए अमेरिकी करदाताओं की बड़ी रकम बेकार के कामों में खर्च हो रही है, जिसका अमेरिका को सीधे फायदा नहीं मिलना है। ऐसे में आने वाले दिनों में संयुक्त राष्ट्र की स्थिति और भी ज्यादा निरीह होने वाली है। ऐसे में अगर दुनिया के देश संयुक्त राष्ट्र के औचित्य पर ही सवाल उठाने लगें तो दुनिया को हैरत नहीं होनी चाहिए।

1995 से चली रही परंपरा कायम रहे, संभल विवाद पर इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने आदेश में एक बार फिर से कहा कि किसी शख्स के निजी परिसर में प्रार्थना या धार्मिक आयोजन के संबंध में कोई रोक नहीं लगाई जा सकती, भले ही वह व्यक्ति किसी भी धर्म में आस्था रखता हो। कोर्ट का यह भी कहना है कि संभल में जिस स्थान को मस्जिद कहा जा रहा है वो मस्जिद नहीं है। इसी केस में, हाईकोर्ट ने नाराजगी दिखाते हुए संभल के पुलिस अधीक्षक (SP) और जिलाधिकारी (DM) से कहा था कि यदि वे जिले में कानून का शासन स्थापित नहीं कर सकते तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए या अपना ट्रांसफर करवा लेना चाहिए।

इन दोनों अधिकारियों ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए

संभल में एक परिसर में नमाजियों की संख्या सीमित कर दी थी। जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस सिद्धार्थ नंदन की बेंच ने उस ढांचे की फोटो देखने के बाद कहा कि वह ढांचा आज की तारीख तक कोई मस्जिद नहीं है। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि उस स्थान का इस्तेमाल पहले भी नमाज अदा करने के इरादे से किया जा चुका है। इसलिए उस स्थान पर नमाज अदा करने पर कोई रोक नहीं होगी।

'1995 से चली आ रही परंपरा का पालन हो'

2 जजों की बेंच ने 16 मार्च को संभल निवासी मुनाजिर खान की ओर दायर याचिका निस्तारित कर दी। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जिस स्थान को मस्जिद कहा जा रहा है, वह मस्जिद ही नहीं है। अपने फैसले में कोर्ट से 1995 से चली आ रही परंपरा के पालन को लेकर प्रशासन को सख्त निर्देश भी दिए।

मुनाजिर खान ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि जिला प्रशासन ने उनके परिसर में रमजान के महीने में सिर्फ 20 लोगों को नमाज अदा करने की अनुमति दी, जबकि बड़ी संख्या में नमाजी वहां आ सकते थे। मुनाजिर ने बताया कि उनके बाबा ने साल 1995 में यह मस्जिद बनवाई थी और वक्फ भी किया गया था। यहां के एक कमरे में नियमित तौर पर नमाज पढ़ी जाती है।

धार्मिक आयोजनों में हस्तक्षेप नहीं : सरकार

हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता ने भी सही जानकारी नहीं दी है। फोटो देखने के बाद कोर्ट ने माना कि इस जगह पर एक दो मंजिला घर बना हुआ है और इसमें अन्य कमरे भी हैं, जहां नमाज पढ़ी जाती है, लेकिन इसे मस्जिद नहीं कहा जा सकता।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने भी अपना पक्ष रखा और कहा कि सरकार किसी की निजी संपत्ति या पूजा स्थल पर पूजा करने या नमाज पढ़ने को लेकर किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं करती है। यदि कोई बाधा डालने की कोशिश करता है तो प्रशासन सुरक्षा उपलब्ध कराता है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इससे पहले एक सुनवाई के दौरान 27 फरवरी को संभल के पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी पर नाराजगी दिखाते हुए कहा था कि यदि वे कानून का राज स्थापित नहीं कर सकते तो उन्हें पद से इस्तीफा दे देना चाहिए या फिर कहीं और अपना ट्रांसफर करवा लेना चाहिए।

कोर्ट ने यह भी कहा, "1।4 अरब की आबादी वाले इस देश की खूबसूरती इसके लचीलापन और ताकत में ही निहित है जो कि इसकी ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और भाषाई विविधता से पैदा होती है। इस धरती पर दूसरा कोई देश नहीं है जहां सदियों से हर बड़े धर्म, संस्कृति और भाषाई विविधता सह-अस्तित्व में रही है।"

तमंचे की मुठिया से सिर फोड़ा, युवक गंभीर

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश ने गुरुवार सुबह गंभीर रूप ले लिया। दुधौरा चैराहे के पास एक युवक को निशाना बनाते हुए बदमाश ने फायर झोंक दिया। गनीमत रही कि गोली लक्ष्य से चूक गई, लेकिन इसके बाद हमलावर ने तमंचे की मुठिया से युवक के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।घायल की पहचान समोधीपुर गांव निवासी 45 वर्षीय लक्ष्मीशंकर यादव के रूप में हुई है। वारदात के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती पड़ताल में घटना के पीछे पुरानी रंजिश की बात सामने आ रही है। पुलिस आरोपित की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

गैस सिलिंडर नहीं मिला, दो बच्चों और पति को छोड़ पत्नी चली गई मायके, महिला का धैर्य दे गया जवाब

आर्यावर्त संवाददाता

मैनपुरी। गैस सिलिंडर की लगातार समस्या अब घरों में विवाद का कारण बन रही है। ऐसे ही एक मामले में सिलिंडर नहीं मिलने से नाराज होकर एक महिला बच्चों और पति को छोड़कर मायके चली गई। यह घटना मैनपुरी जिले के बेवर कस्बा के जीटी सड़क निवासी शिव शंकर अग्रवाल के परिवार में हुई है।

शिव शंकर अग्रवाल एक स्थानीय गैस एजेंसी के कनेक्शन धारक हैं। उन्होंने बताया कि उनका गैस सिलिंडर 12 मार्च को समाप्त हो गया था। वे अगले दिन यानी 13 मार्च को एजेंसी पर सिलिंडर लेने गए। जब उन्होंने गैस बुकिंग की, तो मोबाइल पर एक संदेश आया।

संदेश में लिखा था कि उनकी पर्ची 2 मार्च को निकल चुकी है। शिव शंकर ने एजेंसी संचालक से इस बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने 2 मार्च को न तो बुकिंग की थी और न ही सिलिंडर लिया था। फिर भी सिलिंडर कैसे और किसे दे

दिया गया, यह सवाल उन्होंने उठाया।

पत्नी की नाराजगी और मायके जाना

शिव शंकर ने यह पूरी बात अपनी पत्नी रचना अग्रवाल को बताई। रचना ने साफ कहा कि वह कुछ नहीं जानती और किसी भी तरह सिलिंडर लेकर आए। घर में खाना बनाने की समस्या के चलते पत्नी ने दो तीन दिन चूल्हे पर खाना बनाया। इसके बाद उनकी नाराजगी बढ़ गई और उन्होंने एक बड़ा कदम उठाया। रचना अपने दो जुड़वां बच्चों और पति को छोड़कर अपने मायके सौरिख चली गईं।

गैस एजेंसी पर लापरवाही के आरोप

शिव शंकर अग्रवाल ने गैस एजेंसी पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बिना बुकिंग के सिलिंडर कैसे जारी किया गया। यह एजेंसी की आंतरिक गड़बड़ी या किसी और को गलत तरीके से सिलिंडर देने का मामला हो सकता है। इस प्रकार की अनियमितता से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गैस सिलिंडर की उपलब्धता में पारदर्शिता की कमी भी इस समस्या को बढ़ा रही है।

सात दिवसीय एनएसएस शिविर का षुभारंभ

जौनपुर। शिक्षा और सेवा के संगम से समाज को बदलने का संकल्प लेकर अब्दुल अजीज अंसारी पीजी कॉलेज, मजडीहा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने गुरुवार को अपने सात दिवसीय विशेष शिविर का धमाकेदार शुभारंभ किया। डोमनपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम प्रधान चन्द्रावती ने दीप प्रज्वलित कर किया। पहले ही दिन स्वयंसेविकाओं के भीतर एक अलग ही जोश देखने को मिला। केवल भाषणों तक सीमित न रहकर छात्राओं ने जमीन पर उतरकर मोर्चा संभालास्वच्छता का शंखनाद गांव की गलियों में सघन साफ-सफाई अभियान चलाकर ग्रामीणों को स्वच्छता का संदेश दिया। हरियाली की शपथ विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर फलदार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाई।सबसे महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए छात्राओं ने घर-घर दस्तक दी। उन्होंने अभिभावकों को समझाया कि बच्चों का भविष्य केवल स्कूल की चैखट के भीतर सुरक्षित है।

काम सीखने आया और उस्ताद की पत्नी को ही ले उड़ा, प्रेमी संग फरार होने के बाद क्या बोली दो बच्चों की मां?

आर्यावर्त संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां राजमिस्त्री का काम सीखने के लिए आया युवक अपने उस्ताद की पत्नी को प्रेम के जाल में फंसा लिया। दोनों एक दूसरे को दिल दे बैठे। फिर क्या था... पत्नी अपने पति को छोड़कर शागिर्द के पास पहुंच गई। पहले से ही दो बच्चों की मां होने के बाद भी वह अपने पति को छोड़कर प्रेमी के घर रहने पहुंच गई।

पीड़ित राजमिस्त्री ने फोन कर 112 में मामले की शिकायत दर्ज करवाई, लेकिन पत्नी पति के साथ रहने को राजी नहीं थी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह मामला अब लोगों के बीच सुर्खियों का कारण बन गया है।

पति ने बताई कहानी

मामला जिले के मौदहा कोतवाली कस्बे का है। यहां रहने

वाले दिलीप सिंह ने 112 डायल कर पुलिस को बताया कि वह कानपुर में दो बच्चों और पत्नी के साथ रहता है और राजमिस्त्री का काम करता है। इसी थाना क्षेत्र के बंडा गांव का युवक उसके पास रहकर काम सीखता था। इसी दौरान उसकी पत्नी से युवक की बातचीत होने लगी। बातचीत धीरे-धीरे प्रेम प्रसंग में बदल गई, जिसके बाद वह उस्ताद के शागिर्द अभय के घर पहुंच गई। 112 डायल की पुलिस दोनों पक्षों को लेकर बिवांर थाने पहुंची और आपसी समझौता कराकर मामला शांत कराया।

छिप-छिपकर करते थे मुलाकात

पीड़ित दिलीप ने आरोप लगाया है कि अभय ने उसकी पत्नी को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। दोनों की छिप-छिपकर मुलाकातें भी होने लगीं। उसने जब रोक-टोक की तो दो दिन पहले युवक उसकी पत्नी को लेकर अपने घर आ गया। पत्नी को गायब देख पति बुधवार सुबह युवक के घर पहुंच गया, जहां उसकी पत्नी रह रही थी। लेकिन पत्नी पति के साथ जाने को राजी नहीं हुई, तो पति ने यूपी 112 नंबर पर फोन कर पुलिस को बुला लिया और दोनों को थाने ले आया।

हुआ समझौता

पत्नी ने बताया कि राजमिस्त्री पति दिलीप शराब पीकर मारपीट करता है, इसी वजह से वह उसके साथ नहीं रहना चाहती थी। बड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने महिला को समझा-बुझाकर पति के साथ रहने को राजी कर दिया। बिवांर थाना प्रभारी एसआई मोहम्मद सुल्तान ने बताया कि दोनों पक्षों में समझौता करवा दिया गया है और अब पत्नी खुशी-खुशी अपने पति के साथ चली गई है। साथ ही पति को भी हिदायत दी गई है कि वह दोबारा पत्नी के साथ मारपीट न करे, वरना उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

खून के रिश्ते हुए तार-तार! सहारनपुर में सगे भाई ने बेटे संग मिलकर ले ली जान

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर जिले में भाई ही जी का काल बन गया। गंगोह क्षेत्र के गांव बिसनौट में पारिवारिक विवाद ने ऐसा भयावह रूप ले लिया कि रिश्तों की सारी मर्यादा टूट गई। सगे भाई ने अपने ही बेटे के साथ मिलकर अपने भाई की लोहे की रॉड से बेरहमी से हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पिता-पुत्र मौके से फरार हो गए।

बताया जा रहा है कि बुधवार देर रात करीब 12 बजे गांव निवासी मीनू अपने बेटे को किसी बात पर डांट रहा था। इसी दौरान उसका भाई सुभाष और भतीजा दीपांशु वहां पहुंच गए और बीच-बचाव करने लगे। लेकिन मामूली कहासुनी ने अचानक उग्र रूप ले लिया और विवाद बढ़ता चला गया। आरोप है कि झगड़ा बढ़ने पर सुभाष और उसके बेटे दीपांशु ने पास

पड़ी लोहे की रॉड उठा ली और मीनू के सिर पर लगातार वार कर दिए। गंभीर चोट लगने से मीनू ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

गुरुवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी गई है।

मृतक के भाई सतीश ने थाने में तहरीर देकर सुभाष और दीपांशु के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार मीनू शराब का आदी था और अक्सर नशे में रहता था। इसी कारण उसकी पत्नी भी कई साल पहले उसे छोड़कर चली गई थी। उसके दो छोटे बच्चे हैं। परिवार के पास करीब 15 बीघा जमीन है, जिसे ठेके पर देकर गुजारा किया जाता है।

सीओ गंगोह अशोक सिसोदिया का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। शव को कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है।

युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

जौनपुर। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के जमुआरी गांव निवासी एक युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। काफी खोजबीन के बाद जब उसका कहीं पता नहीं चला, तो पीड़ति पिता ने थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जमुआरी गांव निवासी ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनकी 19 वर्षीय पुत्री बीते 17 मार्च को डीएवी कॉलेज नयनपुर पतरही में प्रैक्टिकल देने गई थी। शाम होने तक जब वह घर वापस नहीं लौटी, तो परिजनों को चिंता हुई। सगे-संबंधियों और आस-पास के क्षेत्रों में काफी खोजबीन की गई, लेकिन युवती का कहीं सुराग नहीं लग सका। थक-हारकर पिता ने थाने में सूचना दी। थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव का कहना है कि पिता की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक राम लाल को सौंपी गई है और छात्रा की तलाश के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

फांसी लगाकर दिया जान, प्रताड़ना का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। थाना लाइन बाजार अंतर्गत चकमाहन गांव में एक विवाहिता की फांसी लगाने से मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान शेजल यादव के रूप में हुई है। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न और हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। मृतका के पिता जयशंकर यादव और मां रेखा ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी शेजल की शादी 29 अप्रैल 2025 को चकमाहन निवासी कन्हैया लाल यादव के बेटे सचिन यादव से की थी। सचिन वर्तमान में मुंबई में कार्यरत है। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले कम दहेज को लेकर शेजल को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। मौके पर मृतका के माता-पिता और मामा

सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे, जो दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे। मौके पर मृतका के माता-पिता और मामा सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे, जो दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे थे।थाना प्रभारी के. के. सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम हेतु भेज दिया गया है। परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। फॉरेंसिक रिपोर्ट और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो जाएगी। परिजनों ने बताया कि घटना से एक दिन पहले वे अपनी बेटी को उसके मायके कोहड़ें सुल्तानपुर (थाना बक्सा) ले गए थे। हालांकि, ससुराल के लोग उसी शाम वहां पहुंचे और दबाव बनाकर शेजल को जबरदस्ती अपने साथ चकमाहन वापस ले आए। परिजनों को कुछ ही घंटों बाद बेटी की मौत की खबर मिली।

पहले दिन शीतला धाम में दर्शन के लिए लगा तांता

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। वांसन्तिक नवरात्रि के पहले दिन गुरुवार को शीतला चैकिया धाम में हजारों श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए। सुबह से ही मंदिर में दर्शनार्थियों की लंबी कतारें देखी गईं। नवरात्र के प्रथम दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर बारी-बारी से दर्शन और पूजन संपन्न किया।मंदिर के महंत विवेकानंद पंडा ने बताया कि माता का श्रृंगार पांच साड़ियों से किया गया था। प्रातः 5 बजे मंदिर के कपाट खुलने के बाद उन्होंने माता रानी का भव्य श्रृंगार और आरती-पूजन किया। मां शीतला को गुलाब, गेंदा और अड़हुल के फूलों से बनी मालाओं से सजाया गया था। मां शैलपुत्री का महत्व बताया कि शैल का अर्थ हिमालय होता है। पर्वतराज हिमालय में जन्म लेने के कारण माता पार्वती

को शैलपुत्री कहा जाता है। इन्हें भगवान शंकर की पत्नी और वृषभ को वाहन होने के कारण वृषभारूढ़ा भी कहा जाता है। मान्यता है कि इनकी आराधना से मनोवांछित फल प्राप्त होते हैं। नवरात्र पर्व को देखते हुए धाम में पुलिस की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मंदिर के मुख्य द्वार पर महिला और पुरुष पुलिसकर्मी भीड़ को नियंत्रित कर रहे थे। महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग कतारें बनाई गई थीं।मंदिर परिसर में लगे सभी 16 सीसीटीवी कैमरे दुरुस्त कर दिए गए थे। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए दो अग्निशमन यंत्र भी स्थापित किए गए। ये कैमरे गर्भ गृह, हवन कुंड, मुख्य द्वार, प्रवेश द्वार, दक्षिणी और पूर्वी निकास द्वार, मंदिर सरोवर और सत्य नारायण मंदिर सहित प्रमुख स्थानों की निगरानी कर रहे थे।

समाज में सकारात्मक परिवर्तन पैदा करें विद्यार्थी

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन विविध कार्यक्रमों का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया।मुख्य अतिथि परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि "राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करती है। स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे कार्यों में भागीदारी से छात्र समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। स्वच्छता अभियान और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे सार्थक कार्यों में सक्रिय भागीदारी से छात्र न केवल अपने आसपास का पर्यावरण स्वच्छ बनाते हैं, बल्कि पूरे समाज में सकारात्मक परिवर्तन की लहर पैदा करते हैं। डॉ. सिंह ने छात्रों से अपील की कि वे एनएसएस के माध्यम से स्वयंसेवा को जीवन का अभिन्न अंग बनाएं, ताकि एक स्वच्छ, समृद्ध और जिम्मेदार भारत का निर्माण हो सके। यह पहल युवा पीढ़ी को नेतृत्व प्रदान करने और सामाजिक समस्याओं का समाधान खोजने में सक्षम बनाएगी।

150 बिजली पोल टूटे, 25 ट्रांसफॉर्मर ठप, 16 गांवों में पसरा अंधेरा, गौतम बुद्ध नगर में आंधी-बारिश ने कैसे मचाया कहर?

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार शाम अचानक मौसम ने करवट बदली। तेज आंधी और बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। गौतम बुद्ध नगर जिले में कई जगहों पर पेड़ उखड़कर सड़कों पर गिर गए। अचानक आए इस बदलाव से एक ओर लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली, तो वहीं दूसरी ओर भारी नुकसान भी झेलना पड़ा।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा, ग्रेटर नोएडा वेस्ट (ग्रेनो वेस्ट) और दादरी, दनकौर, रबूपुरा, जेवर जैसे ग्रामीण इलाके बारिश-आंधी से सबसे ज्यादा प्रभावित रहे। कई स्थानों पर बिजली के पोल गिर गए और सड़कें अवरुद्ध हो गईं, जिससे लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

तूफान का सबसे बड़ा असर बिजली व्यवस्था पर पड़ा। तेज हवाओं के कारण 150 से ज्यादा

बिजली के पोल टूट गए, जबकि करीब 25 ट्रांसफार्मरों में फॉल्ट आ गया और कई ट्रांसफॉर्मर पूरी तरह फुंक गए। इसके चलते कई इलाकों में अचानक बिजली गुल हो गई और लोगों को रात भर अंधेरे में रहना पड़ा। लगभग 16 गांवों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

तेज आंधी और बारिश के बाद तापमान में गिरावट जरूर दर्ज की गई, जिससे गर्मी से राहत मिली, लेकिन यह राहत नुकसान के साथ आई। सबसे ज्यादा मार किसानों पर पड़ी है। इस समय खेतों में गेहूं की फसल तैयार खड़ी है, लेकिन तेज हवाओं और बारिश के कारण फसल जमीन पर गिर गई। किसानों का कहना है कि इससे उत्पादन पर असर पड़ेगा और फसल की गुणवत्ता भी घट जाएगी, जिससे उन्हें बाजार में उचित कीमत नहीं मिल पाएगी। कई किसानों ने आशंका जताई है कि अगर मौसम इसी तरह खराब रहा, तो उनकी महीनों की मेहनत पर पानी फिर सकता है।

मौसम को देखते हुए एडवाइजरी जारी

मौसम विभाग (IMD) ने खराब मौसम को देखते हुए एडवाइजरी जारी की है। लोगों को अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। साथ ही पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने को कहा गया है। प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

आईएमडी के अनुसार दिल्ली-एनसीआर, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में हवाओं की रफ्तार 65 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक दर्ज की गई। मौसम विभाग ने 19 और 21 मार्च को भी तेज हवाओं, बारिश और कुछ इलाकों में ओलावृष्टि की संभावना जताई है। इसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

इस बदलाव का एक सकारात्मक पहलू यह भी रहा कि तेज बारिश और हवाओं के कारण वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) में सुधार दर्ज किया गया, जिससे लोगों को साफ हवा में सांस लेने का मौका मिला। हालांकि, तूफान से हुए नुकसान ने साफ तौर पर जनजीवन को प्रभावित किया है और आने वाले दिनों में भी मौसम का यह बदला हुआ मिजाज जारी रहने की संभावना है।

पैरेंट्स बच्चे के सामने कभी ना करें ये 5 काम, पड़ सकता है गलत असर

बच्चे के लिए उसके माता–पिता ही रोल मॉडल होते हैं। ऐसे में वो जो भी करते हैं बच्चा उसे सही भी मानता है और जल्दी फॉलो भी करने लगता है। इस आर्टिकल में हम आपको 5 ऐसे काम बताने जा रहे हैं, जिन्हें भूल कर भी पेरेंट्स को बच्चे के सामने नहीं करने चाहिए।

बच्चों की परवरिश सिर्फ उन्हें अच्छा खाना, कपड़े और पढ़ाई देने तक सीमित नहीं होती, बल्कि उनके सामने आपका व्यवहार, आपकी बातें और आपकी आदतें भी उनकी सोच और व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित करती हैं। बच्चे अपने आसपास हो रही हर छोटी-बड़ी चीज को ध्यान से देखते हैं और अनजाने में उसे सीखते भी हैं। ऐसे में पैरेंट्स की छोटी-छोटी गलतियां भी बच्चों के मन पर बड़ा असर डाल सकती हैं, जो आगे चलकर उनके नेचर और कॉन्फिडेंस को प्रभावित करती हैं।

कई बार माता-पिता अनजाने में बच्चों के सामने ऐसे काम कर जाते हैं, जो उस समय भले ही सामान्य लगें, लेकिन उनका असर बच्चे की मानसिक और भावनात्मक स्थिति पर पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि पैरेंट्स अपने व्यवहार को लेकर सजग रहें और यह समझें कि वे जो भी करते हैं, वही बच्चों के लिए सीख बन जाता है। इस आर्टिकल में हम आपको ऐसे 5 काम बताने जा रहे हैं, जिन्हें आपको बच्चे के सामने भूलकर भी नहीं करने चाहिए।

बच्चों के सामने झगड़ा करना

पेरेंट्स के बीच होने वाले झगड़े बच्चों के मन पर गहरा असर डालते हैं। इसलिए जब बच्चा घर में चिल्लाना, बहस या तनाव देखता है, तो वह असुरक्षित महसूस करने लगता है। इससे उसके अंदर डर, चिंता और गुस्सा बढ़ सकता है, जो आगे चलकर उसके व्यवहार में भी दिखने लगता है। इसलिए कोशिश करें कि किसी भी तरह की बहस या मतभेद बच्चों के सामने ना करें।

बच्चों को बार–बार डांटना या नीचा दिखाना

अगर आप हर छोटी बात पर बच्चे को डांटते हैं या दूसरों के सामने उसकी बेइज्जती करते हैं, तो इससे उसका कॉन्फिडेंस कमजोर होता है। बच्चा खुद को कमतर समझने लगता है और धीरे-धीरे उसका मनोबल गिरने लगता है। बच्चों को समझाने का तरीका प्यार और पेशेंस से होना चाहिए, ताकि वे सीखें भी और कॉन्फिडेंस भी बढ़े।

गलत भाषा या गाली–गलौज का इस्तेमाल करना

बच्चे बहुत जल्दी सीखते हैं, खासकर बोलचाल की भाषा। अगर घर में गाली-गलौज या गलत शब्दों का इस्तेमाल होता है, तो बच्चा भी वही भाषा अपनाने लगता है। इससे उसकी पर्सनैलिटी पर नेगेटिव असर पड़ता है और सोशल बिहेवियर भी बिगड़ सकता है। इसलिए हमेशा साफ और पॉजिटिव भाषा का इस्तेमाल करें।

मोबाइल या स्क्रीन में ज्यादा व्यस्त रहना

अगर पेरेंट्स ही हर समय मोबाइल या टीवी में लगे रहते हैं, तो बच्चा खुद भी वहीं करने लगता है। इससे वह भी स्क्रीन की ओर ज्यादा आकर्षित होने लगता है और आपसे उसका इमोशनल कनेक्ट कम हो जाता है। इसलिए बच्चों के साथ समय बिताना, उनसे बात करना और उनके साथ खेलना बहुत जरूरी होता है।

झूठ बोलना या गलत आदतें दिखाना

अगर आप बच्चों के सामने झूठ बोलते हैं या गलत आदतें अपनाते हैं, तो बच्चा उसे सही मानकर सीख सकता है। बच्चे अपने माता-पिता को रोल मॉडल मानते हैं, इसलिए आपका हर व्यवहार उनके लिए उदाहरण बनता है। कोशिश करें कि आप हमेशा ईमानदारी और अच्छी आदतों का पालन करें, ताकि बच्चा भी वही सीखे।

गर्मियों के दौरान त्वचा के लिए फायदेमंद हैं एलोवेरा का इस्तेमाल

एलोवेरा एक ऐसा पौधा है, जिसकी जेल जैसी सामग्री में कई ऐसे गुण मौजूद होते हैं, जो त्वचा की देखभाल करने में मदद कर सकते हैं, खासतौर से गर्मियों में जब त्वचा को सूरज की किरणों और पसीने का सामना करना पड़ता है। आइए आज हम आपको एलोवेरा के इस्तेमाल से जुड़े कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जो आपकी त्वचा को ताजगी और नमी प्रदान करने समेत कई अन्य लाभ दे सकते हैं।

एलोवेरा से बनाएं फेस मिस्ट

एलोवेरा से बना फेस मिस्ट त्वचा को ताजगी और नमी प्रदान करने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले एलोवेरा जेल को पानी के साथ मिलाकर एक स्प्रे बोतल में डालें, फिर इसे अपने चेहरे पर छिड़कें। यह तरीका खासतौर से धूप में निकलने के बाद बहुत फायदेमंद है क्योंकि यह आपकी त्वचा को ठंडक पहुंचाता है और उसे नमी से भरपूर रखता है। यह आपकी त्वचा को ताजगी का एहसास दिलाएगा।

बादाम के तेल और एलोवेरा जेल का मिश्रण लगाएं

बादाम का तेल और एलोवेरा जेल का मिश्रण त्वचा को भरपूर नमी प्रदान कर सकता है। इसके लिए थोड़े से एलोवेरा जेल में बादाम का तेल मिलाएं, फिर इसे अपने चेहरे और शरीर पर लगाएं। यह मिश्रण आपकी त्वचा को मुलायम बनाएगा और उसे गहराई से पोषण देगा। इसके अलावा यह त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से भी बचा सकता है। यह तरीका आपकी त्वचा को चमकदार बनाएगा।

धूप की जलन से राहत दिलाने में है कारगर

अगर आपको धूप से जलन हो गई है तो एलोवेरा जेल लगाना फायदेमंद हो सकता है। यह त्वचा को ठंडक पहुंचाता है और जलन को कम करता है। इसके लिए एलोवेरा जेल को ठंडा करके प्रभावित जगह पर लगाएं और हल्के हाथों से मालिश करें। यह तरीका आपकी त्वचा को आराम देगा और उसे जल्दी ठीक करने में मदद करेगा। इससे त्वचा को आराम मिलेगा।

एलोवेरा से बनाएं स्क्रब

एलोवेरा स्क्रब त्वचा की गहराई से सफाई करने में मदद कर सकता है। इसके लिए चीनी या नमक को एलोवेरा जेल में मिलाकर स्क्रब तैयार करें, फिर इसे अपने चेहरे और हाथ-पैरों पर हल्के हाथों से मलें, फिर ठंडे पानी से धो लें। यह स्क्रब मृत कोशिकाओं को हटाने, त्वचा को साफ और ताजगी देने में मदद करेगा। इसके अलावा यह त्वचा की नमी को बनाए रखने में भी सहायक है।

एलोवेरा फेस मास्क लगाएं

फेस मास्क त्वचा को पोषण देने के लिए बहुत अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए एलोवेरा जेल को अपने पसंदीदा फेस मास्क पाउडर जैसे कि चंदन या हल्दी पाउडर के साथ मिलाकर लगाएं। इसे 15-20 मिनट तक सूखने दें, फिर ठंडे पानी से धो लें। यह तरीका आपकी त्वचा को साफ करेगा और उसे मुलायम बनाएगा। इससे आपकी त्वचा को निखार मिलेगा।

नींबू के छिलके फेंकने वाले ध्यान दें, ये बेकार नहीं... इसके यूज से बन सकते हैं आपके कई काम

विटामिन सी का बेहतरीन सोर्स नींबू गर्मियों में हेल्दी बनाए रखने के लिए एक बेहतरीन फूड है। ये शरीर को हाइड्रेट करने के साथ ही आपकी त्वचा को स्वस्थ रखता है। इम्यूनिटी को बूस्ट करता है और लू से बचाव में हेल्पफुल माना जाता है। समर सीजन में घर में नींबू की खपत इसी वजह से ज्यादा बढ़ जाती है। इसके छिलके अक्सर फेंक दिए जाते हैं, लेकिन ये बेकार नहीं होते हैं। नींबू के छिलकों में भी कई न्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं और ये आपके घर के कई कामों को बना सकता है साथ ही स्किन भी इससे चमक सकती है। इस आर्टिकल में जानेंगे कि नींबू के यूज के बाद बचे हुए इसके छिलकों का क्या करना चाहिए।

हेल्थ लाइन के मुताबिक, थोड़ी मात्रा में अगर लेमन का छिलका खाया जाए तो ये बहुत न्यूट्रिशियस होता है। 1 चम्मच यानी तकरीबन 6 ग्राम लेमन के छिलके में 1 ग्राम फाइबर पाया जाता है और डेली जरूरत का 9 प्रतिशत विटामिन सी होता है। वहीं यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर के मुताबिक, 100 ग्राम नींबू के छिलके में 10.6 ग्राम डायटरी फाइबर, 134 मिलीग्राम कैल्शियम, 0.8 मिलीग्राम आयरन, 15 मिलीग्राम मैग्नीशियम, 12 मिलीग्राम फास्फोरस, 160 मिलीग्राम पोटेशियम, 129 मिलीग्राम विटामिन सी समेत कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। चलिए जान लेते हैं नींबू के छिलकों के यूज।

दांत-मसूड़े रहेंगे हेल्दी

हेल्थ लाइन में दी गई जानकारी के मुताबिक, नींबू के छिलकों में एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं जो माइक्रो जर्म की ग्रोथ को रोकते हैं। इसपर किए गए अध्ययनों में पाया गया कि छिलके में ऐसे चार कंपाउंड होते हैं जो ओरल प्रॉब्लम्स पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने में कारगर होते हैं। ये मुंह से आने वाली बदबू को कम करने में भी हेल्पफुल होता है। आप छिलकों को सुखाकर पीसकर बारीक पाउडर बनाने के बाद इससे टूथपेस्ट में मिलाकर दांत साफ कर सकते हैं। छिलके पानी में उबालकर उससे कुल्ला करना सही रहता है।

किचन की सफाई करें

नींबू के छिलकों को आप किचन की सफाई के लिए यूज कर सकते हैं। आप नींबू के छिलकों में बेकिंग सोडा लगाकर पीतल, तांबा के बर्तन साफ कर सकते हैं। सिंक के दाग क्लीन किए जा सकते हैं। बर्तनों में अगर चिकनाई है तो इसे क्लीन किया जा सकता है। टाइल्स, नल, कटिंग बोर्ड जैसी चीजें भी नींबू के छिलकों से आसानी से साफ की जा सकती है।

फ्रिज की बदबू होगी खत्म

अक्सर फ्रिज में हम फल, सब्जियां खाने की चीजें रखते हैं, जिससे कई बार इसमें अजीब सी गंध महसूस होने लगती है। इसे हटाने के लिए भी नींबू के छिलके काफी कारगर होते हैं। इसके लिए आप बेकिंग सोडा को एक कटोरी में डालें। इसमें लेमन के छिलके छोटे-छोटे टुकड़ों में या फिर कद्दूकस करके डाल दें। इसे फ्रिज के अंदर एक साइड रख दें। इससे गंध आना भी बंद हो जाती है और फ्रिज में ताजगी बनी रहती है।

जेस्ट बनाकर रख लें

आप लेमन के छिलकों को कद्दूकस करके इसका जेस्ट बनाकर फ्रीजर में स्टोर करके रख सकते हैं। इसके बाद जरूरत पड़ने पर इसे अलग-अलग डिशेज में इस्तेमाल किया जा सकता है। खासतौर पर अगर आप कोई डेजर्ट बना रहे हैं तो इसका यूज कर सकते हैं। चाय में भी इसे डाला जा सकता है। इसके अलाला पास्ता, सलाद की ड्रेसिंग जैसी चीजों में लेमन जेस्ट यूज कर सकते हैं।

हाथ-पैरों की त्वचा चमकेगी

आप नींबू के छिलकों से अपने हाथ-पैरों की त्वचा को चमका सकते हैं। इससे जमी हुई डेड स्किन, टैनिंग रिमूव करने में मदद मिलती है। इसके लिए आप पहले नींबू के छिलकों को पानी में डालकर उबाल लें। फिर इसमें पैरों को डुबोकर रखें। कुछ छिलके लेकर उसमें कॉफी और चीनी लगाकर अपने हाथ और पैरों को अच्छी तरह से रगड़ें। इसके बाद पैर धोकर मॉइश्चराइजर लगा लें।

आज से लेकर 31 मार्च तक कब-कब बंद रहेंगे बैंक

अगर आप इस हफ्ते अपने किसी जरूरी काम के लिए बैंक जाने की तैयारी कर रहे हैं, तो घर से निकलने से पहले छुट्टियों की लिस्ट जरूर चेक कर लें। मार्च महीने में नवरात्र, ईद, राम नवमी और महावीर जयंती जैसे कई बड़े त्योहार एक साथ पड़ रहे हैं, जिसके कारण देश के अलग-अलग राज्यों में बैंकों पर ताले लटके रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक के हॉलिडे कैलेंडर के मुताबिक, पूरे देश में एक साथ छुट्टियां नहीं होती हैं, बल्कि कई छुट्टियां स्थानीय त्योहारों और राज्यों के हिसाब से तय की जाती हैं। ऐसे में यह जानना बेहद जरूरी है कि आपके शहर की बैंक ब्रांच किस दिन खुली रहेगी और किस दिन बंद।

आज 17 मार्च को इन इलाकों में नहीं होगा कामकाज

भारतीय रिजर्व बैंक की बैंक हॉलिडे लिस्ट के अनुसार, आज मंगलवार, 17 मार्च को शब-ए-कद्र के मौके पर देश के कुछ विशेष हिस्सों में बैंक बंद रहेंगे। आरबीआई के कैलेंडर के मुताबिक, आज मुख्य रूप से जम्मू और श्रीनगर क्षेत्रों में बैंक ब्रांच बंद रहेंगी और वहां कामकाज ठप रहेगा। हालांकि, देश के बाकी सभी राज्यों और शहरों में बैंक अपने तय समय के अनुसार सामान्य रूप से खुले रहेंगे और ग्राहक अपने जरूरी काम निपटा सकेंगे।

इस पूरे हफ्ते कब और कहां बंद रहेंगे बैंक?

इस हफ्ते त्योहारों की झड़ी के कारण कई राज्यों में लगातार बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी। 19 मार्च, गुरुवार को गुड़ी पड़वा, उगाड़ी, तेलुगु नववर्ष और नवरात्रि के पहले दिन के खास मौके पर महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, गोवा, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और मणिपुर में बैंक बंद रहेंगे। इसके अगले ही दिन 20 मार्च, शुक्रवार को ईद-उल-फितर और जमात-उल-विदा के कारण जम्मू-कश्मीर, केरल और आंध्र प्रदेश के कुछ इलाकों में बैंकों की छुट्टी रहेगी। वहीं, 21 मार्च को महीने का तीसरा शनिवार होने के बावजूद ईद-उल-फितर और सरहुल पर्व के चलते यूपी, दिल्ली, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल समेत कई बड़े राज्यों में अवकाश रहेगा, जबकि कोच्चि और शिमला जैसी जगहों पर बैंक खुले रह सकते हैं। इसके बाद 22 मार्च को रविवार के कारण पूरे देश में बैंकों की साप्ताहिक छुट्टी रहेगी।

मार्च के आखिरी दिनों में भी छुट्टियों की भरमार

मार्च का आखिरी हफ्ता भी छुट्टियों से भरा हुआ है। 26 मार्च को राम नवमी के चलते उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और दिल्ली समेत कई प्रमुख राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद 27 मार्च को राम नवमी (चैते दशैं) के उपलक्ष्य में बिहार, ओडिशा और सिक्किम जैसे राज्यों में भी बैंकों की छुट्टी घोषित की गई है। 28 मार्च को महीने का चौथा शनिवार और 29 मार्च को रविवार होने के कारण पूरे देशभर में बैंक लगातार दो दिन बंद रहेंगे। वहीं, महीने के आखिरी दिन यानी 31 मार्च को महावीर जयंती के पावन अवसर पर गुजरात, कर्नाटक, दिल्ली, यूपी, महाराष्ट्र और बिहार समेत कई राज्यों में बैंकिंग सेवाएं पूरी तरह बंद रहेंगी।

बैंक बंद रहने पर भी ग्राहकों के नहीं रुकेंगे ये काम

बैंकों में छुट्टियों के दौरान ब्रांच के दरवाजे भले ही बंद रहें, लेकिन ग्राहकों को घबराने की जरूरत नहीं है। इस दौरान आपकी डिजिटल बैंकिंग सेवाएं हमेशा की तरह 24म7 चालू रहेंगी। आप किसी को भी पैसे भेजने या बिल पेमेंट करने के लिए यूपीआई (क्कड्ड), मोबाइल बैंकिंग और इंटरनेट बैंकिंग का बेझिझक इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा कैश निकालने के लिए एटीएम सेवाएं भी सुचारू रहेंगी। हालांकि, अगर आपको चेक क्लियरिंग, नकद जमा करना, डिमांड ड्राफ्ट बनवाना या केवाईसी (यड्ढष्ट) अपडेट जैसे अहम काम करवाने हैं, तो इसके लिए आपको बैंक के खुलने का इंतजार करना ही पड़ेगा।

अप्रैल से आम आदमी की जेब पर पड़ेगा भारी डाका, कार से लेकर टीवी-फ्रिज और एसी तक सब होने जा रहा है महंगा

। अगर आप गर्मी के इस मौसम में नया एसी, टीवी, फ्रिज या फिर कोई नई कार खरीदने का मन बना रहे हैं, तो आपके लिए यह एक झटके वाली खबर हो सकती है। आगामी 1 अप्रैल से आपकी रोजमर्रा के इस्तेमाल से जुड़ी कई जरूरी चीजों की कीमतों में भारी उछाल आने वाला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कच्चे माल की तेजी से बढ़ती कीमतों और ट्रांसपोर्टेशन के बढ़ते खर्च के कारण बाजार में इन सामानों के दाम 5 से 6 प्रतिशत तक बढ़ सकते हैं। यानी अगले महीने से अपनी जरूरत का सामान घर लाने के लिए आपको अपनी मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा खर्च करना पड़ेगा।

कच्चे माल और माल ढुलाई की बढ़ी लागत ने बिगाड़ा बजट

कंपनियों द्वारा अचानक दाम बढ़ाने की तैयारी के पीछे सबसे बड़ा कारण अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में कच्चे माल का महंगा होना है। इलेक्ट्रॉनिक सामान और ऑटोमोबाइल सेक्टर में भारी मात्रा में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक, रेजिन और पॉलिमर की कीमतों में अचानक बड़ी तेजी देखने को मिली है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर माल ढुलाई (फ्रेट रेट) की दरों में भी 7 से 10 प्रतिशत तक का भारी इजाफा हुआ है। जाहिर है, जब कंपनियों को प्रोडक्ट बनाने और उसे बाजार तक पहुंचाने में ज्यादा खर्च करना पड़ेगा, तो वे अपनी इस बढ़ती लागत का सीधा बोझ ग्राहकों की जेब पर ही डालेंगी।

लग्जरी कारों के साथ-साथ आम गाड़ियां भी भरेंगी उड़ान

इस महंगाई की मार से ऑटोमोबाइल सेक्टर भी अछूता नहीं रहने वाला है। कई प्रमुख कार निर्माता कंपनियां अपनी गाड़ियों की कीमतों में 2 से 3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने पर गंभीरता से विचार कर रही हैं। मर्सिडीज-बेंज और ऑडी (रह्वस्रद्व) जैसी लग्जरी कार निर्माता कंपनियों ने तो पहले ही आधिकारिक तौर पर यह घोषणा कर दी है कि वे 1 अप्रैल से अपनी कारों की कीमतों में लगभग 2 प्रतिशत का इजाफा करने जा रही हैं। वहीं, आम आदमी के बजट की कारें बनाने वाली कंपनियां भी अब अपने नए रेट तय करने की अंतिम प्रक्रिया में जुट गई हैं।

इलेक्ट्रॉनिक आइटम, कपड़े और जूतों पर गिरेगी महंगाई की गाज

कारोबारी रिपोर्ट के मुताबिक, सिर्फ कारें ही नहीं बल्कि हर घर की जरूरत बन चुके टीवी, फ्रिज और एयर कंडीशनर (रष्ट) जैसे घरेलू इलेक्ट्रॉनिक सामान भी महंगे होने जा रहे हैं। चूंकि इन प्रोडक्ट्स में प्लास्टिक आधारित पार्ट्स का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है, इसलिए कंपनियां इनकी कीमतों में 5 से 6 प्रतिशत तक की वृद्धि कर सकती हैं। इसके अलावा जूते, सिंथेटिक फाइबर से बने कपड़े और घरों में इस्तेमाल होने वाले डेकोरेटिव पेंट की कीमतों में भी 9 से 10 प्रतिशत तक का तगड़ा उछाल आ सकता है। इन सबके ऊपर, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के लगभग 2 प्रतिशत कमजोर होने से भी आयात महंगा हो गया है, जिसका सीधा असर कंपनियों की उत्पादन लागत और अंततः ग्राहकों पर पड़ रहा है।

चीन जा रहे रूसी तेल टैंकर का यू-टर्न, अब भारत आ रहा; भारतीय रिफाइनरियों ने खरीदे तीन करोड़ बैरल क्रूड

ईरान में युद्ध के कारण मध्य पूर्व से कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने के बाद वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक बड़ा भू-राजनीतिक और व्यापारिक बदलाव देखने को मिल रहा है। अमेरिका की भारत को रूसी तेल की खरीद बढ़ाने की अस्थायी छूट दिए जाने के बाद, चीन की ओर जा रहे कई एक रूसी तेल टैंकर बीच रास्ते में ही अपना मार्ग बदलकर भारत का रुख कर लिया है। यह घटनाक्रम भारत की ऊर्जा सुरक्षा और बदलती वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के लिहाज से एक बेहद अहम और कूटनीतिक कदम है। शिप-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, 'एक्वा टाइटन'नामक एक अफ्रामैक्स रूसी टैंकर, जो मूल रूप से चीन के रिझाओ बंदरगाह की ओर जा रहा था, उसने मध्य मार्च में दक्षिण पूर्व एशियाई जलक्षेत्र (दक्षिण चीन सागर) से यू-टर्न ले लिया है। यह टैंकर जनवरी के अंत में बाल्टिक सागर के एक बंदरगाह से 'उरल्स' कच्चा तेल लेकर चला था और अब इसके 21 मार्च को न्यू मैंगलोर पहुंचने की उम्मीद है। वोर्टेक्सा लिमिटेड के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, कम से कम सात ऐसे टैंकर हैं जो रूसी तेल ले जा रहे थे और उन्होंने अपनी यात्रा के बीच में ही चीन से भारत की ओर अपनी दिशा बदल ली है। यह रणनीतिक बदलाव मुख्य रूप से तब आया जब अमेरिका ने भारत को ईरान युद्ध के कारण हुए नुकसान की भरपाई के लिए अस्थायी रूप से रूसी तेल की खरीद बढ़ाने की हरी झंडी दे दी। इस महत्वपूर्ण रियायत के मिलने के बाद वाले सप्ताह में ही, भारतीय रिफाइनरियों ने तेजी दिखाते हुए तीन करोड़ (30 मिलियन) बैरल रूसी कच्चे तेल की भारी-भरकम खरीद की है। वर्तमान में भारत की सभी प्रमुख रिफाइनरियां कच्चे तेल के बाजार में सक्रिय रूप से रूस से खरीदारी कर रही हैं।

ट्रंप ने कहा- इस्त्राइल तब तक शांत, जब तक ईरान.., क्या कतर में एलएनजी संयंत्र पर हमले से बदला यूएस का रुख?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि इस्त्राइल अब ईरान के कीमती साउथ पार्स गैस फील्ड पर तब तक हमला नहीं करेगा, जब तक ईरान किसी बेकसूर देश पर हमला करने का फैसला नहीं करता। ट्रंप का यह बयान तब आया है जब ईरान ने कतर के ऊर्जा ठिकानों पर हमले कर भारी नुकसान पहुंचाया है। दरअसल, इस्त्राइल ने पहले ईरान के उस गैस फील्ड पर हमला किया था जिसे वह कतर के साथ साझा करता है। इसके जवाब में ईरान ने कतर के ठिकानों को निशाना बनाया।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि इस्त्राइल ने मध्य पूर्व के युद्ध के गुस्से में आकर ईरान के गैस फील्ड पर हमला किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस हमले के बारे में अमेरिका को पहले से कोई जानकारी नहीं थी। ट्रंप के अनुसार, इस्त्राइल ने ईरान के एक बड़े गैस ठिकाने के केवल एक छोटे हिस्से को निशाना बनाया था। उन्होंने कहा कि कतर का इस हमले से कोई लेना-देना नहीं था, लेकिन ईरान ने बिना सोचे-समझे कतर के एलएनजी प्लांट पर हमला कर दिया, जो पूरी तरह गलत है।

ट्रंप ने कहा, अगर ईरान ने दोबारा कतर पर हमला है तो अमेरिका चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने धमकी दी कि ऐसी स्थिति में अमेरिका, इस्त्राइल की मदद या सहमति के बिना भी, ईरान के पूरे साउथ पार्स गैस फील्ड को पूरी तरह तबाह कर देगा। ट्रंप ने कहा कि वे इतनी बड़ी हिंसा और तबाही नहीं चाहते क्योंकि इसके परिणाम भविष्य में ईरान के लिए बहुत बुरे होंगे, लेकिन कतर की सुरक्षा के लिए वे कड़े कदम उठाने से पीछे नहीं हटेंगे।

कतर की सरकारी कंपनी कतर एनर्जी ने बताया कि ईरानी मिसाइल हमलों से उनके गैस ठिकानों को काफी नुकसान पहुंचा है। वहां कई जगहों पर भीषण आग लग गई है, जिसे बुझाने का काम जारी है। हालांकि, अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। कतर दुनिया के लिए प्राकृतिक गैस का एक बहुत बड़ा स्रोत है। इस हमले के विरोध में कतर ने कड़ा रुख अपनाते हुए ईरानी दूतावास के अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दे दिया है।

ईरान ने केवल कतर ही नहीं, बल्कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के हबशान और बाब गैस क्षेत्रों पर भी हमले किए हैं। यूएई सरकार ने इसे युद्ध को एक खतरनाक मोड़ पर ले जाने वाली हरकत बताया है। सुरक्षा कारणों से वहां गैस उत्पादन का काम फिलहाल रोक दिया गया है। बता दें कि खाड़ी देश युद्ध की शुरुआत से ही ईरानी हमलों का सामना कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने अब तक ईरान के खिलाफ कोई सीधी सैन्य कार्रवाई नहीं की है।

इन हमलों का असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 5 प्रतिशत और बढ़ गई हैं। अब तेल की कीमत 108 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से तेल की कीमतों में करीब 50 प्रतिशत का उछाल आ चुका है। इस युद्ध के चलते ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री रास्ते को भी प्रभावित किया है, जहां से दुनिया का 20 प्रतिशत तेल गुजरता है। तेल की कमी को पूरा करने और बाजार मे स्थिरता के लिए लिए ट्रंप प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लिया है। अमेरिकी वित्त विभाग ने वेनेजुएला पर लगे प्रतिबंधों में ढील दी है। अब अमेरिकी कंपनियां वेनेजुएला की सरकारी तेल कंपनी के साथ व्यापार कर सकेंगी ताकि बाजार में तेल की सप्लाई बढ़ाई जा सके और कीमतों को काबू में किया जा सके।

'गैस फील्ड पर हमला हुआ तो करारा जवाब देंगे', कतर के ऊर्जा ठिकाने पर हमले के बाद ईरान की धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सेना 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) ने क्षेत्र में अमेरिका से जुड़े तेल ठिकानों पर हमलों की जिम्मेदारी ली है। आईआरजीसी ने बताया कि ये हमले 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' के 63वें चरण का हिस्सा थे। ईरान ने यह कार्रवाई अमेरिका और इस्त्राइल के उन हमलों के जवाब में की है जो पिछले दिनों ईरान पर हुए थे। ईरानी सेना के जनसंपर्क कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि यह हमला ईरान के खुफिया मंत्री इस्माइल खतीब और अन्य साथियों की शहादत का बदला लेने के लिए भी थी। ईरान ने साफ किया कि उसका शुरुआती इरादा तेल ठिकानों पर हमला करने या पड़ोसी देशों की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का नहीं था। लेकिन जब दुश्मन ने ईरान के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया, तो ईरान को भी जवाबी हमला करना पड़ा। आईआरजीसी का कहना है कि अब यह युद्ध एक नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। ईरान की आईआरजीसी ने दावा किया है कि उसने इस्त्राइल के भीतर लगभग 80 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इनमें रिशोन लेजियन, रामला, लोद, ईलात और तेल अवीव के पास के कई महत्वपूर्ण इलाके शामिल हैं। इन हमलों में कई वारहेड वाली मिसाइलों और घातक ड्रोनों का इस्तेमाल किया गया। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके ऊर्जा ठिकानों पर फिर से हमला हुआ, तो वह दुश्मन के ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर देगा और अगला हमला इससे भी ज्यादा भयानक होगा। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसने फिर से कतर की ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बनाया, तो अमेरिका ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड को पूरी तरह नष्ट कर देगा।

'उकसाया गया तो देंगे जवाब, खाड़ी देशों पर हमले बर्दाश्त नहीं', सऊदी अरब की ईरान को दो टूक

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब ने ईरान के साथ चल रहे संघर्ष के बीच अपनी प्राथमिकताएं साफ कर दी हैं। सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद ने कहा है कि उनका सबसे पहला लक्ष्य खाड़ी देशों पर हो रहे हमलों को रोकना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका देश क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने पर ध्यान दे रहा है। हालांकि, उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर उकसाया गया, तो सऊदी अरब ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

रियाद में विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए प्रिंस फैसल ने कहा कि वह केवल यह चाहते हैं कि उनके देश और पड़ोसी देशों पर हमले बंद हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये पड़ोसी देश इस संघर्ष का हिस्सा नहीं हैं। सऊदी अरब इन हमलों को रोकने के लिए राजनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक जैसे हर संभव रास्ते का इस्तेमाल करेगा।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब ने चेतावनी दी है कि वह दबाव के आगे नहीं झुकेगा। विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान अपने पड़ोसियों से बात करने में यकीन नहीं रखता, बल्कि वह उन पर दबाव बनाने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि ईरान की यह रणनीति पूरी तरह नाकाम साबित होगी और इसका उल्टा असर पड़ेगा। प्रिंस फैसल के अनुसार, ईरान पर जो थोड़ा-बहुत भरोसा बचा था, वह अब पूरी तरह खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों पर ईरान के हमले पहले से तय थे और मौजूदा हालात इस बात की पुष्टि करते हैं।

सऊदी विदेश मंत्री ने उम्मीद जताई कि तेहरान अपनी हरकतों पर फिर से विचार करेगा। उन्होंने कहा कि ईरान को आज की बैठक का संदेश समझना चाहिए और अपने पड़ोसियों पर हमले तुरंत बंद करने चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, प्रिंस फैसल ने ईरान पर नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने ईरान के उस तर्क को भी खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि ये हमले अमेरिकी सैन्य ठिकानों की मौजूदगी के कारण किए गए। सऊदी अरब ने इस बहाने को पूरी तरह से अविश्वसनीय बताया है।

बैठक में शामिल अन्य विदेश मंत्रियों ने भी सहमति जताई कि ईरान को अपने प्रॉक्सी समूहों (हथियारबंद गुटों) को समर्थन देना तुरंत बंद करना चाहिए। प्रिंस फैसल ने ऊर्जा ठिकानों पर हुए हमलों को ब्लैकमेल करने की कोशिश करार दिया। उन्होंने बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक से ठीक पहले रियाद की ओर दागी गई चार बैलिस्टिक मिसाइलों को सऊदी अरब ने बीच में ही नष्ट कर दिया था।

उन्होंने आगे बताया कि रियाद में दो तेल रिफाइनरियों पर भी हमला किया गया। प्रिंस फैसल ने कहा कि ये हमले बैठक के समय ही किए गए ताकि वहां मौजूद लोगों को डराया जा सके। उन्होंने साफ कहा कि सऊदी अरब ऐसी धमकियों से डरने वाला नहीं है। ईरान की ये हरकतें उसकी गलतफहमी को दर्शाती हैं, जिससे उसे कुछ हासिल नहीं होगा। इन हमलों से ईरान केवल दुनिया में और ज्यादा अकेला पड़ जाएगा।

अमेरिकी सैन्य बेस के पास संदिग्ध ड्रोन दिखने से हड़कंप, हेगसेथ-रुबियो वहीं थे मौजूद

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट गहराता जा रहा है और पश्चिम एशिया के विभिन्न देश इसकी जद में हैं। अब इसकी आंच अमेरिका की जमीन तक पहुंचती दिख रही है। दरअसल गुरुवार को अमेरिका के एक सैन्य अड्डे के ऊपर संदिग्ध ड्रोन मंडराता दिखाई दिया। जिस सैन्य अड्डे पर ड्रोन मंडरा रहा था, उस सैन्य अड्डे में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के आवास हैं। यही वजह है कि इस घटना के बाद अमेरिका में हड़कंप मच गया है।

मार्को रुबियो और पीट हेगसेथ के आवास शिफ्ट करने की चर्चा

वॉशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, वॉशिंगटन स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे फोर्ट मैकनेयर के

ऊपर संदिग्ध ड्रोन दिखाई दिया। हालांकि अभी तक पता नहीं चल सका है कि यह ड्रोन कहां से आया था। इस घटना के बाद मार्को रुबियो और पीट हेगसेथ के आवास इस सैन्य अड्डे से स्थानांतरित करने की चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि अभी तक इसे लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

संदिग्ध ड्रोन देखे जाने के बाद अमेरिका में हाई अलर्ट

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वॉशिंगटन में सैन्य अड्डे के ऊपर संदिग्ध ड्रोन देखे जाने के बाद व्हाइट हाउस के उच्च अधिकारियों ने बैठकें की। घटना के बाद अमेरिका में अलर्ट है। ईरान के सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी और कई अन्य वरिष्ठ सैन्य कमांडरों की मौत के बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई की आशंका को देखते हुए अमेरिका में हाई अलर्ट है। अमेरिकी सैन्य ठिकानों की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। अमेरिका के राजनयिक मिशनों के लिए भी सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है।

कितना अहम है ये सैन्य अड्डा

अमेरिका का फोर्ट मैकनेयर सैन्य अड्डा, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय और पेंटागन के कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों का घर है। यहां आमतौर पर अमेरिकी सरकार के लोग नहीं रहते, लेकिन फिलहाल सुरक्षा चिंताओं के चलते कई नेता इस सैन्य अड्डे को अपना ठिकाना बनाए हुए हैं। यह सैन्य अड्डा अमेरिकी संसद और व्हाइट हाउस के करीब स्थित है।

यूट्यूबर एल्विस यादव को सुप्रीम कोर्ट से राहत, सांप के जहर मामले में एफआईआर रद्द करने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। यूट्यूबर एल्विश यादव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने एल्विश के खिलाफ वीडियो शूट में सांप के जहर के इस्तेमाल और ड्रग्स के सेवन वाली रेव पार्टियों में शामिल होने के आरोप में दर्ज आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सीमित कानूनी मुद्दों के आधार पर एफआईआर कानून की दृष्टि से मान्य नहीं है।

न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने स्पष्ट किया कि वे केवल दो विशिष्ट प्रश्नों पर विचार कर रहे हैं, नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस एक्ट, 1985 की धारा 2(23) की प्रयोज्यता और वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 55 के तहत कार्यवाही की वैधता को लेकर।

एल्विश यादव से खुद कोई बरामदगी नहीं

NDPS से जुड़े मामले में कोर्ट ने सीनियर एडवोकेट मुक्ता गुप्ता की इस दलील को रिकॉर्ड किया कि एक सह-आरोपी से बरामद किया गया कथित साइकोट्रॉपिक पदार्थ (सांप के ज़हर का एंटीडोट) NDPS एक्ट की अनुसूची के दायरे में नहीं आता है। बेंच ने इस बात पर गौर किया कि जैसा कि स्वीकार किया गया है विचाराधीन पदार्थ वैधानिक अनुसूची के अंतर्गत नहीं आता था। कोर्ट ने इस तर्क पर भी ध्यान दिया कि एल्विश यादव से खुद कोई बरामदगी नहीं हुई थी और चार्जशीट में केवल यह आरोप लगाया गया था कि उसने अपने एक सहयोगी के ज़रिए ऑर्डर दिए थे।

इस बात को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने पाया कि पेश किए गए तथ्यों के आधार पर NDPS एक्ट को लागू करना कानूनी तौर पर सही नहीं था। वन्यजीव संरक्षण एक्ट से जुड़े दूसरे मुद्दे पर आते हुए बेंच ने कहा कि सेक्शन 55 के तहत यह ज़रूरी है कि मुकदमा सिर्फ़ किसी ऐसे अधिकारी की शिकायत पर ही शुरू किया जा सकता है, जिसे इसके लिए विधिवत अधिकार दिया गया हो। जिस शिकायत के आधार पर यह एफआईआर दर्ज की गई थी, वह गौरव गुप्ता नाम के एक व्यक्ति ने दायर की थी, जो 'पीपल फॉर एनिमल्स' (PFA) नाम के एक पशु कल्याण संगठन से जुड़ा हुआ है।

एफआईआर जांच में खरी नहीं उतर सकती

कोर्ट ने यह माना कि एफआईआर अपने वर्तमान स्वरूप में विचारणीय नहीं थी, क्योंकि इसे किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा दायर नहीं किया गया था। न्यायालय ने शिकायतकर्ता की सद्भावना पर भी संदेह व्यक्त किया। अदालत ने यह दलील भी दर्ज की कि भारतीय दंड संहिता के तहत अपराध स्वतंत्र रूप से नहीं बनते थे, क्योंकि वे एक पिछली शिकायत का हिस्सा थे जिसे पहले ही बंद किया जा चुका था। इस निष्कर्ष पर पहुंचते हुए कि इन कानूनी आधारों पर FIR जांच में खरी नहीं उतर सकती, बेंच ने कार्यवाही को रद्द करने का आदेश दिया। हालांकि, उसने यह स्पष्ट किया कि उसने मूल आरोपों की मेरिट के आधार पर जांच नहीं की है।

शशि थरूर का बड़ा दावा, बोले– यूडीएफ को मिलेंगी 85 से 100 सीटें, भाजपा को लेकर कही ये बात

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल गरमा गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की जीत का भरोसा जताया है। थरूर के मुताबिक, यूडीएफ को 140 सीटों वाली विधानसभा में 85 से 100 सीटें मिल सकती हैं। उन्होंने भाजपा को केरल की राजनीति में एक मामूली खिलाड़ी बताया है।

पीटीआई को दिए इंटरव्यू में शशि थरूर ने कहा कि केरल में मुकाबला मुख्य रूप से लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और यूडीएफ के बीच है। उन्होंने कहा, 'यह कोई त्रिकोणीय मुकाबला नहीं है, क्योंकि विधानसभा में भाजपा एक जीरो सीट वाली पार्टी है। अगर वे जीरो से एक, दो या तीन पर जाते हैं, तो वे बहुत गर्व और खुशी महसूस करेंगे।' थरूर ने आगे कहा कि भाजपा की राज्य में किंगमेकर बनने की भी कोई संभावना नहीं है। इसमें कोई शक नहीं कि मुकाबला एलडीएफ और यूडीएफ के बीच ही होगा। उन्होंने यह भी कहा कि व्यक्तिगत रूप से वह चुनाव से पहले मुख्यमंत्री का चेहरा पेश करने के पक्ष में हैं, लेकिन केरल में कांग्रेस किसी एक चेहरे के बजाय अपने एजेंडे और पार्टी के निशान पर चुनाव लड़ती है।

मुकाबला कड़ा, लेकिन भाजपा खतरा नहीं

थरूर ने कहा कि मौजूदा आंकड़ों के हिसाब से मुकाबला काफी कड़ा दिख रहा है। इसका मतलब है कि हर सीट और हर वोट महत्वपूर्ण है। इसलिए हम भाजपा को नजरअंदाज नहीं कर रहे हैं और न ही इसे लेकर लापरवाह हैं। उन्होंने साफा किया कि कांग्रेस केरल में भाजपा को सरकार के लिए खतरा नहीं मानती। उन्होंने कहा, 'वे ज्यादा से ज्यादा बस अपना खाता खोल सकते हैं।'

यूडीएफ को 85 से 100 सीटें मिलेंगी

थरूर ने यूडीएफ की जीत का भरोसा जताते हुए कहा कि 140 सीटों वाली विधानसभा में 85 से 100 सीटों का आंकड़ा अच्छा रहेगा। उन्होंने क्रिकेट का उदाहरण देते हुए कहा, 'यूडीएफ, खासकर एलडीएफ को गूगली फेंक रहा है, क्योंकि वे एक मुश्किल पिच पर हैं और हम उन्हें वहां फंसा सकते हैं।' आपको बता दें कि 2021 के केरल विधानसभा चुनाव में, एलडीएफ ने 99 सीटें जीतकर सत्ता बरकरार रखी थी। वहीं, यूडीएफ को 41 सीटें मिली थीं और भाजपा का खाता भी नहीं खुला था। हालांकि, हाल के लोकसभा चुनाव में भाजपा केरल में एक सीट जीतने में कामयाब रही थी। त्रिशूर सीट से सुरेश गोपी ने जीत हासिल की थी।

सलमान खान की मातृभूमि का गाना तुम चांद देख लेना का टीजर हुआ रिलीज, साथ नजर आईं चित्रांगदा

सलमान खान की आगामी फिल्म का नाम हाल ही में मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस बताया गया है। पहले इस फिल्म का नाम बैटल ऑफ गलवां रखा गया था। आज फिल्म का एक रोमांटिक गाना तुम चांद देख लेना का टीजर जारी किया गया है। जिसमें सलमान और चित्रांगदा नजर आ रहे हैं।

सलमान खान की आगामी फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' का नया गाना चांद देख लेना तुम्हें हम नजर आएंगे... की झलक आज जारी कर दी गई है। इस गाने में सलमान और चित्रांगदा का रोमांटिक अंदाज नजर आ रहा है। इस गाने में सलमान खान और चित्रांगदा सिंह के बीच एक ऐसे रोमांटिक पहलू को दिखाया गया है, जो इस फिल्म में इन दोनों की रोमांटिक प्रेम कहानी को बयां करता है। इस गाने में चित्रांगदा गुलाबी ड्रेस में सजी-धजी, सलमान का इंतजार करती हुई दिखाई दे रही हैं, जबकि सलमान खान पास ही में उनके सामने इस गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं, जिसके बैकग्राउंड में चमकता हुआ चांद दिखाई दे रहा है।

सलमान खान की फिल्म मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस कथित तौर पर 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने की संभावना है। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के आसपास रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को आने वाली थी, लेकिन अब इसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई है।

'मातृभूमि' का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। इस फिल्म का निर्माण सलमान खान कर रहे हैं। इस फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म 2020 के दौरान गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित बताई जा रही है।

फिल्म एक दिन का ट्रेलर हुआ रिलीज, नजर आई साई पल्लवी और जुनैद खान की रोमांटिक लव स्टोरी

फिल्म एक दिन के ट्रेलर की शुरुआत एक फॉर्च्यून बेल यानी किस्मत की घंटी के सीन से होती है, जिसे बजाकर सभी प्रेमी जोड़े अपनी किस्मत आजमाते हैं, ताकि उन्हें अपना सच्चा प्यार मिल जाए।

जुनैद खान और साई पल्लवी की फिल्म 'एक दिन' का रोमांटिक ट्रेलर कुछ ही देर पहले रिलीज हुआ है। आमिर खान प्रोडक्शन की इस फिल्म का टाइटल ट्रैक हाल ही में रिलीज किया गया था। आज एक दिन का ट्रेलर रिलीज कर निर्माताओं ने फैंस को खुश कर दिया है।

आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म एक दिन का ट्रेलर आज रिलीज हो चुका है। एक दिन के ट्रेलर को आमिर खान प्रोडक्शन ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसके साथ निर्माताओं ने पोस्ट में लिखा, कभी-कभी एक दिन भी काफी होता है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म एक दिन के ट्रेलर की शुरुआत एक फॉर्च्यून बेल यानी किस्मत की घंटी के सीन से होती है, जिसे बजाकर सभी प्रेमी जोड़े अपनी किस्मत आजमाते हैं, ताकि उन्हें अपना सच्चा प्यार मिल जाए। इस ट्रेलर के सीन में जुनैद भी एक विश मांगते हैं और कहते हैं काश मीरा (साई पल्लवी) उनकी हो जाए, फिर चाहे वो सिर्फ एक दिन के लिए ही क्यों न हो। इसके बाद शुरू होती है फिल्म में साई और जुनैद की लव स्टोरी। एक दिन का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित इस फिल्म में जुनैद खान और साई पल्लवी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह 2016 की थाई फिल्म वन डे का रीमेक है।

धुरंधर 2 डे 1 कलेक्शन प्रेडिक्शन : बॉलीवुड की बिगेस्ट ओपनर बनने को तैयार रणवीर सिंह की फिल्म

आदित्य धर की निर्देशित आगामी थ्रिलर एक्शन एंटरटेनर धुरंधर 2, जिसका ऑफिशियल टाइटल धुरंधरः द रिवेंज अपनी थिएट्रिकल रिलीज से पहले ही जबरदस्त चर्चा बटोर रही है, जिसकी वजह से यह शुरुआती बॉक्स ऑफिस पर दमदार ओपनिंग की ओर इशारा कर रहा है। रिलीज में अब बस कुछ ही दिन बाकी हैं, और फिल्म की एडवांस बुकिंग के आंकड़े सब कुछ बयां कर रहे हैं। यह दर्शकों की भारी दिलचस्पी और रिलीज से पहले बने जबरदस्त माहौल को दर्शाता है।

आदित्य धर की फिल्म में रणवीर सिंह एक बार फिर से लीड करते दिखेंगे। वह एक बार फिर दमदार और निडर हमजा अली के रूप में वापसी कर रहे हैं। धुरंधर 2 में जसकीरत सिंह की पिछली कहानी दिखाई जाएगी। आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह सीक्वल वहीं से आगे बढ़ेगी, जहां पहली फिल्म खत्म हुई थी, और इस बार कहानी में रोमांच पहले से ज्यादा है।

फैंस के बीच बढ़ते उत्साह और बॉक्स ऑफिस पर मिल रहे शुरुआती अच्छे संकेतों को देखते हुए, ऐसा लग रहा है कि धुरंधर 2 पहले ही दिन से दर्शकों को बड़ी संख्या में सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रहेगी।

पैन-इंडिया रिव्यू ने धुरंधर 2 के ओपनिंड डे का प्रेडिक्शन शेयर किया है। पैन-इंडिया रिव्यू के शुरुआती अनुमानों के अनुसार, रणवीर सिंह अभिनीत यह फिल्म भारत में अपने ओपनिंग डे पर लगभग 85-95 करोड़ रुपये का कलेक्शन करने की उम्मीद है।

वहीं, स्पेशल पेड प्रीव्यू शो से 30 से 32 करोड़ रुपये की शानदार कमाई होने का अनुमान है, जिससे फिल्म की कुल ओपनिंग आंकड़ों को और भी बढ़ावा मिलने में मदद होगी। अगर यह अनुमान सही साबित हुआ तो रणवीर सिंह की एक्शन थ्रिलर भारत में पहले ही दिन 150 करोड़ का आंकड़ा आराम से छू लेगी।

ओवरसीज की बात करें तो पैन इंडिया रिव्यू के मुताबिक, फिल्म पेड प्रीव्यू के प्रीमियर से 30 करोड़ रुपये के आस-पास कलेक्शन कर सकती है। वहीं ओपनिंग डे पर 35 से 40 करोड़ रुपये का कलेक्शन होने की उम्मीद है। इस तरह धुरंधर 2 पहले दिन दुनिया भर में 210 से 220 करोड़ रुपये की कमाई कर सकती है।

अगर पैन इंडिया रिव्यू का यह अनुमान सही निकलता है तो धुरंधर 2 बॉलीवुड की बिगेस्ट ओपनर फिल्म बनकर उभरेगी। यह खिताब अब तक शाहरुख खान की फिल्म जवान के नाम है। आईएमबीडी के अनुसार, जवान ने ओपनिंग डे पर 126।4 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया था।

रणवीर सिंह के अलावा, धुरंधर 2 में आर। माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी भी वापसी कर रहे हैं। अक्षय खन्ना, जिन्होंने पहले भाग में विलेन रहमान डकैत का किरदार निभाया था, फिल्म में कैमियो के तौर पर नजर आ सकते हैं। यह स्पाई थ्रिलर फिल्म 19 मार्च को रिलीज होने वाली है। यह 5 भाषाओं हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर यह तेलुगु सुपरस्टार पवन कल्याण की फिल्म उस्ताद भगत सिंह को कड़ी टक्कर देगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com